तापमान
अधिकतम 38.1 डिग्री
न्यूनतम 22.3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 6 जुलाई 2025

11 अंबाला के गांव छजुमाजरा निवासी किसान राजेंद्र बने ...

12 उपमंडल कार्यालय का डीसी ने किया निरीक्षण ...

खबर संक्षेप

कमालपुर में ट्यूबवेल की सात मोटरें चोरी

यमुनानगर। गांव कमालपुर निवासी दलीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 जून को वह अपने खेतों से काम निपटा कर घर आ गया था। अगली सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे ट्यूबवेल के कमरे का लगा ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर कमरे से ट्यूबवेल की मोटर गायब मिली। जांच करने पर उन्हें मालूम हुआ कि चोरों ने रात को उनके पड़ोसियों की सात मोटरें चोरी कर ली। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हेरोइन तस्करी में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज नशा तस्करी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी किरण उर्फ कर्ण को गिरफ्तार किया है। 11 अक्टूबर 2024 को सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि आरोपी नशा तस्करी का कार्य करता है। सूचना के आधार पर बंदरी वाला मंदिर रेलवे स्टेशन के पास से पुलिस ने डेहा कॉलोनी के रिक्की को 20 ग्राम 24 मिलिग्राम हेरोइन बरामद की थी।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सूरज को गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 30 जून 2025 को आरोपी सूरज ने नेपाली कॉलोनी में स्थित उसके घर में घुस कर चांदी की पायल व नकद राशि चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

नशा तस्कर को कैद व जुर्माना

पानीपत। एएसजे योगेश चौधरी की कोर्ट ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोपी प्रवीण निवासी इंदिरा कालोनी, पानीपत को दोषी करार देते हुए चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने प्रवीण पर 10 हजार रुपए का जुर्माना किया, नहीं, देने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में खास बात यह है कि सरकार की तरफ से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर, डिप्टी डिसट्रिक्ट अटॉर्नी कुलदीप ढुल ने सजा दिलवाने में अहम भूमिका निभाई है। इस केस में मॉडल टाउन थाना में 11 नवंबर सन् 2020 को आरोपी प्रवीण पर मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में केस दर्ज किया गया था।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत में कुलदीप निवासी भरतपुर, राजस्थान ने 43 साल की महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने बहका कर महिला का उसके पति से तलाक भी करवाया। आरोपी खुद को पुलिस की खुफिया एजेंसी में 15 साल नौकरी करने पर बने हाई प्रोफाइल लिंक की धौंस दिखाई। कुलदीप ने महिला के पुत्र को विदेश भेजने का झांसा देकर भी पांच लाख रूपये की ठगी की। इधर, पीडित महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके बयान दर्ज किए और उसकी मेडिकल जांच करवाई। पुलिस ने आरोपी पर आईपीसी की धारा 376, 420, 406, 506 व 34 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोडवेज बस की ट्राले से टक्कर, पांच गंभीर

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह के पास जीटी रोड पर पुलिस लाइन के सामने हरियाणा रोडवेज की कैथल डिपो की बस ट्रॉले में घुस गई। हादसे में बस का चालक अशोक निवासी गांव हरसौला, यात्री अशोक, रजनी, कैथल के सांच गांव का रॉबिन और करनाल की विमी गोयल गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां बस चालक अशोक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। इधर, पुलिस ने बस के कंडक्टर भूपेंद्र से पूरी जानकारी ली।

सैकड़ों भक्तों ने शामिल होकर श्रीठाकुर जी का आशीर्वाद लिया

धर्मनगरी में निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, भगवान का रथ खींचने के लिए उमड़े श्रद्धालु, जयकारें और वैदिक मंत्र गूंजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से शनिवार को शहर में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा सोमवार को धूमधाम से निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों भक्तों ने शामिल होकर श्रीठाकुर जी का आशीर्वाद लिया। धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान श्रीजगन्नाथ, बलरामजी और सुभद्रा को रथ में सुशोभित किया गया। श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर अध्यात्मिक शांति महसूस की और जय श्रीजगन्नाथ के जयकारों के साथ लोगों ने नाचकर प्रभु आनंद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र भगवान जगन्नाथ के जयकारों और वैदिक मंत्रों से गूंजता रहा। रथ यात्रा के पावन अवसर पर सैकड़ों की संख्या में जुटे श्रद्धालुओं में भगवान की एक झलक पाने और उनके रथ की रस्सी खींचने को लेकर होड़ मची रही। इससे पहले दोपहर को ज्योतिसर स्थित श्रीकृष्ण अर्जुन मंदिर में महाआरती की गई। शाम को गौड़ियि मठ से भगवान जगन्ननाथ की भव्य रथ यात्रा शुरू की गई। शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा की पूजा अर्चना की गई। कई भक्तजन सड़कों पर झाड़ू लगाते हुए आस्था की भवसागर में डूबकी लगाते रहे। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ का गुणगान होने से समूचा वातावरण धर्ममय बना रहा। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में श्रद्धालु ढोल एवं इस्कॉन के भक्तों द्वारा मृदंग एवं करताल के साथ भगवान के रथ के आगे कीर्तन करते हुए चले रहे थे। दिल्ली से इस्कॉन कुछ वैष्णव सन्यासी भक्त भी भजन गाते हुए यात्रा के साथ चल रहे थे। शहर में आठ जगहों पर क्रेन से जगन्नाथ को भोग लगाया गया। इस्कॉन कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष साक्षी गोपाल ने बताया कि शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान का रथ पर दर्शन करने मात्र से कोटि जन्मों के पाप नष्ट हो जाते है और यही कृपा देने के लिए भगवान रथ पर बैठकर सड़कों पर दर्शन देते है।

कुरुक्षेत्र। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की रस्सी को खींचते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

दुल्हन की तरह सजा शहर स्वागत में लगाए तोरण द्वार

यात्रा में भगवान जगन्नाथ ने अपने भाई बलदेव और बहन सुभद्रा महारानी के साथ कैथल शहरवासियों को रथ पर विराजमान हो कर दर्शन दिए। उनके स्वागत के लिए पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। शहर में जगह-जगह स्वागत के लिए तोरण द्वार बनाए गए थे और रंग बिरंगी लाइटों से सडकों को सजाया गया था। गौड़ियि मठ से शुरू होकर रथ यात्रा बिरला मंदिर, मीरी पीरी चौक, रेलवे रोड, पिपली रोड होते हुए सेक्टर 13 के कांग्रेस भवन पर जाकर समाप्त हुई।

अंबाला: बर्फखाना की जमीन को लेकर चल रहा है विवाद

विवादित जमीन की लीज वापस लेने की तैयारी में नगर परिषद

- नगर परिषद ने राज्य सरकार को भेजा प्रस्ताव
- स्वीकृति मिलते ही जमीन पर कब्जा लेकर इसकी चारदीवारी कराई जाएगी
- बर्फखाने की कुल 5 एकड़ जमीन है, ढाई एकड़ लीज पर है, यहां सर्विस सेंटर, 10 से 12 घर, फर्नीचर बनाने वाले कारखाने और रेस्टोरेंट है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी में बर्फखाने की जमीन पर उठे विवाद के बाद नगर परिषद की ओर से इस पर काबिज लोगों से लीज वापस लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए नगर परिषद ने एक प्रस्ताव तैयार कर सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा है। इसकी स्वीकृति मिलते ही जमीन पर कब्जा लेकर इसकी चारदीवारी कराई जाएगी। यह जमीन सरकार की मलकियत है। कब्जा लेने के बाद सरकार अगर इस जमीन का प्रयोग करना चाहती है तो वह कर सकेगी।

इस जमीन पर किसी परियोजना को भी लाया जा सकता है। नगर परिषद अब सरकार की अनुमति आने का इंतजार कर रही है। सरकार ने अनुमति दी तो जमीन पर काबिज लीजधारकों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। यह एक्साइज एरिया की जमीन है। जिसकी मलकियत राज्य सरकार के पास है। कई वर्ष पहले इस जमीन को नगर परिषद ने राजस्व प्राप्त करने के लिए एक बर्फ का काम करने वाले कारोबारी को लीज पर दी थी। इसके बाद कारोबारी के बेटे ने जमीन को किसी और के सुपुर्द कर दिया। यह मामला जब अदालत में गया तो कारोबारी के बेटे को यह जमीन दे दी गई। बर्फखाने की कुल 5 एकड़ जमीन है। इसमें ढ़ाई एकड़ जमीन लीज पर है। यहां सर्विस सेंटर, 10 से 12 घर, फर्नीचर बनाने वाले कारखाने और एक रेस्टोरेंट है। बकाया ढाई एकड़ जमीन खाली है। बता दें कि कुछ दिन पहले बर्फखाने की जमीन पर जेसीबी चलने की सूचना नगर परिषद के पास पहुंची थी। इसके बाद जमीन पर अपना दावा करने वाले व्यक्ति से पूछताछ की गई तो उसने किसी भी तरह की कार्रवाई से इनकार किया। मामले में नगर परिषद ने इस जमीन को राज्य सरकार की मलकियत बताते हुए चेतावनी बोर्ड लगा दिया। जिससे कि कोई जमीन की खरीद फरोख्त न कर सके। इस जमीन को लेकर दूसरा पहलू यह है कि जमीन का दावा करने वाला व्यक्ति अपने पास नगर परिषद से जुड़े प्रमाण पत्र होने का दावा कर रहे हैं। यह मामला अदालत में भी जा चुका है। यहां से नगर परिषद को हार मिली थी।

बारिश में मक्का भीगा

तेज बरसात से अनाज मंडी इंद्री में पड़ा हजारों क्विंटल पड़ा मक्का भीगा

- अधिकारी बोले-मक्का खरीदारों आढती व किसानों को कोई नुकसान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

शनिवार दोपहर को आई तेज बरसात के कारण अनाज मंडी इंद्री में पड़ा हजारों क्विंटल मक्का भीग गया और मक्का पानी मे बहता रहा । जिससे मार्किट कमेटी के अनाज मंडी में किए गए इंतजामों की पोल खुल गई । हालात ऐसे रहे कि मंडी के फड़ों पर पड़ा हजारों क्विंटल मक्का पानी में बहता रहा लेकिन किसी आढ़ती व खरीदार ने तिरपाल से मक्के को ढकने तक की कोशिश नहीं की और मक्का बरसात के पानी में बहता रहा । इस मामले में मार्किट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह का कहना है की मंडी में मक्के को सुखाने के लिए मक्के के खरीदारों ने मंडी के फड़ों पर सुखाया हुआ था जिसमें आढती व किसानों का कोई नुकसान नहीं हुआ । उन्होंने बताया कि मक्के की बोली दोपहर 12 बजे तक हो जाती है और शनिवार को भी करीब 600 क्विंटल मक्का आया था जिसको बोली पर खरीददारों ने खरीद लिया था । मंडी में पड़ा करीब तीन हजार क्विंटल मक्का खरीदारों ने सुखाया हुआ है इसमें किसानों व आढ़ती का कोई नुकसान नहीं हुआ है ।

योग को ऐच्छिक विषय के रूप में शामिल करने के लिए सरकार ने बनाई राज्य स्तरीय कमेटी

- एनसीईआरटी के निदेशक तथा योग आयोग के रजिस्ट्रार होंगे सदस्य
- योग प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए क्रेडिट आधारित प्रणाली शुरू होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

प्रदेश के स्कूलों में 11वीं एवं 12वीं कक्षा में योग को ऐच्छिक विषय के रूप में पढाने की तैयारी है। योग को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए प्रदेश सरकार ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के निदेशक और हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार को इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जिला योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संवर्धन समिति के सचिव गुलशन कुमार ग्रोवर ने बताया कि हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य ने राज्य सरकार से योग को स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने का अनुरोध किया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनके इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए इसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक जितेंद्र कुमार ने कमेटी बनाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इस कमेटी को निर्धारित अवधि में अपनी फाइनल रिपोर्ट विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करवानी होगी। उल्लेखनीय है कि पहली से दसवीं कक्षा तक योग को पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय के रूप में पहले ही सम्मिलित किया जा चुका है। अब योग, खेल व अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम तैयार कर अनौपचारिक रूप से परीक्षाएं भी आयोजित की जाएगी। इससे बच्चों को बचपन से ही योग को समझने और जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलेगी। सरकारी स्कूलों में योग सिखाने का निर्णय भी लिया गया है । पीएम मॉडल संस्कृति और क्लस्टर स्कूलों में 857 योग सहायकों की नियुक्ति की जाएगी। शिक्षा विभाग के 25,000 कर्मचारियों को योग शिक्षक पहले ही बनाया जा चुका है। राजकीय योग शिक्षा एवं स्वास्थ्य महाविद्यालय खोलने का भी प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालयों में योग पर शोध को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही योग लेखक प्रोत्साहन योजना लागू की जाएगी।

विस अध्यक्ष आज करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण रविवार 6 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 2 बजे घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आमजन की समस्याएं सुनेंगे। विधानसभा अध्यक्ष गांव कैरवाली में शाम 4.00 बजे कालरम सडक़ से भीमा पंडित के खेत तक के रास्ते का उद्घाटन करेंगे, शाम 4.15 बजे पीडब्ल्यूडी की मुख्य सडक़ से लीला के घर तक की गली के निर्माण कार्य का शिलान्यास व पब्लिक हेल्थ ट्यूबवैल का उद्घाटन करेंगे।

विदेश भेजने के नाम पर हड़पे 22.49 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर ट्रैवल एजेंट ने जगाधरी के हुड्डा सेक्टर-17 निवासी शिव साहनी से 22 लाख 49 हजार रुपये हड़प लिए गए। शिव साहनी अपने लड़के को रोजगार के लिए विदेश भेजना चाहता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शिव साहनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उन्हें मालूम हुआ कि नरेंद्र कुमार युवाओं को विदेश भेजने का काम करता है। वह अपने लड़के के साथ नरेंद्र कुमार से उसके कार्यालय में मिला। आरोपी ने उसे बताया कि वह युवाओं को अलग-अलग देश में भेजकर उन्हें वहां पर रोजगार मुहैया करवाता है। वह उसके लड़के को भी विदेश में भेज देगा। इसके लिए आरोपी ने उससे 15 सितंबर 2024 से 31 अक्तूबर 2024 तक अलग-अलग करके 22 लाख 49 हजार रुपये ले लिए। आरोपी ने उसके लड़के को जल्द विदेश भेजने का आश्वासन दिया। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

8 फर्मों का रिकॉर्ड तलब जांच के बाद तय होगी मालिकों की गिरफ्तारी

अंबाला। अंबाला शहर की अनाज मंडी में सूरजमुखी की खरीद के नाम पर हुई गड़बड़ी के मामले में पुलिस ने नामजद आठ फर्मों से रिकॉर्ड तलब कर लिया है। पुलिस नामजद लालचंद, रघुनाथ दास, जीएसएस ट्रेडिंग, एनएन ट्रेडिंग, रजत ट्रेडर्स, अंकुश ट्रेडिंग एंड कंपनी, अशोक कुमार फर्म से रिकॉर्ड लेकर सबूत जुटाएगी। उसके बाद टीम इन फर्म मालिकों की गिरफ्तारी करेगी। एसडीएम दर्शन कुमार द्वारा की गई प्राथमिक जांच में संबंधित फर्मों द्वारा 1200-1300 क्विंटल की अधिक खरीद की है। इस मामले में हैफेड ने अपने दो मैनेजर रीतू बाला व विजय ढिल्लों को निलंबित किया था।यह पूरा खेल प्रशासन के मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल में मिलीभगत करके किया गया था। अनाजमंडी में 29 जून को बिना गेट पास के दो ट्रक सूरजमुखी की बोरियां सहित दाखिल हो गए थे।

महंगाई की मार — कई सब्जियां बाजारों से गायब, लोगों को मौसम खुलने का इंतजार

बारिश ने बढ़ाए सब्जियों के दाम, रसोई का बिगड़ा बजट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत

बरसात के चलते सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जियों के दामों में उछाल के कारण सब्जियां रसोई से गायब होती जा रही हैं। सब्जियों में तेजी के चलते आर्थिक बजट बिगड़ गया है। विशेषकर गृहणियों में सब्जियों में आए उछाल के कारण चिंता देखी जा रही है। गृहणियों का कहना है कि दामों में तेजी के कारण रसोई का बजट गडबड़ा गया है। दूसरी ओर आम जन में सब्जियों में आई तेजी के चलते हाहाकार मचा हुआ है। जिसके चलते घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। बारिश ने आम जनता की खानी की प्लेट से खाने का स्वाद छीन लिया है। बता दें कि बरसात का मौसम शुरू होने के बाद सब्जियों के दाम भी यकायक बढ गए हैं। कई सब्जियां या तो मार्किट से गायब हो गई हैं या बहुत महंगी हो गई हैं, जो लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। गृहणी संतोष का कहना है कि सब्जियों के दामों में आए उछाल के कारण वे सब्जियां खरीद नहीं पाती, जिसके कारण रसोई से भी सब्जियां गायब हो रही हैं। गृहणी रीना का कहना है कि अगर सब्जियों के दामों में तेजी रही तो आने वाले दिनों में सब्जियां रसोई से गायब हो जाएंगी।

फसलें नष्ट होने से दिक्कत

सब्जी विक्रेता रामचंद्र का कहना है कि सब्जियों के दामों में तेजी का मुख्य कारण बरसात के कारण सब्जियों की फसलें नष्ट होना है। लोकल सब्जियां खराब होने के कारण बाहर से सब्जियां आ रही हैं। जिसके चलते सब्जियों के दामों में उछाल आ गया है।

इस तरह बढ़े दाम

सब्जी	पहले	अब
टमाटर	20 से 30 रुपये किलो	50 से 80 रुपये किलो
भिंडी	50 रुपये किलो	80 रुपये किलो
फूलगोभी	40 से 60 रुपये किलो	80 से 100 रुपये किलो
मटर	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
टिंडा	80 रुपये किलो	100 से 120 रुपये किलो
तोरी	50 रुपये किलो	80 रुपये किलो
घिया	40 रुपये किलो	50 रुपये किलो
शिमला मिर्च	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
बैंगन	50 से 60 रुपये किलो	80 रुपये किलो
करेला	60 रुपये पिलो	80 रुपये किलो
हरी मिर्च	80 रुपये किलो	120 रुपये किलो
अदरक	120 रुपये किलो	160 रुपये किलो
गाजर	40 रुपये किलो	60 रुपये प्रति किलो
खीरा	20 रुपये किलो	60 रुपये किलो
कद्दू	20 से 30 रुपये किलो	40 से 50 रुपये किलो
प्याज	20 रुपये किलो	30 रुपये किलो
लहसुन	160 रुपये किलो	200 रुपये किलो

बस स्टैंड से परिचालक का बैग चोरी, केस दर्ज

- बैग में थी करीब 20 हजार रुपये की नकदी, टिकट मशीन, टिकट और मोबाइल फोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर बस स्टैंड के रेस्ट रूम से चोरों ने बस परिचालक का बैग चोरी कर लिया। बैग में करीब 20 हजार रुपये, टिकट मशीन, टिकट व मोबाइल था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।हिमाचल की तहसील पावंटा साहिब के गांव राजपुरा निवासी लाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हिमाचल रोडवेज में परिचालक के पद पर नौकरी करता है। तीन जुलाई को वह बस लेकर यमुनानगर बस स्टैंड पर आए। इसके बाद वह बस को यमुनानगर बस स्टैंड पर खड़ा करके रेस्ट रूम में आराम करने लगा। उसने अपने बैग को रेस्ट रूम में ही अपने पास रखा हुआ था। इस दौरान उसे नींद आ गई। जब वह उठा तो उसे रेस्ट रूम से बैग गायब मिला। उसने बैग की आसपास काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। उसने बताया कि उसके बैग में करीब 20 हजार रुपये की नकदी, टिकट मशीन, टिकट व मोबाइल था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। बाद में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

नशा के प्रति 1100 छात्र किए जागरूक

करनाल। हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तरावड़ी में 250वां नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एन सी बी के उपनिरीक्षक व पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बच्चों को नशे के प्रकार, प्रभाव और इसके सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से बताया। प्राचार्य नवीन बिंदल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में 1100 विद्यार्थी और 50 शिक्षक मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद स्कूल के आसपास 100 मीटर क्षेत्र में तंबाकू बेचने वालों को चेतावनी देकर हटाया गया।

यातायात जागरूकता शिविर किया आयोजित

करनाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 'रोड रूल्स, लाइफ टूल्स' अभियान के तहत शनिवार को शहर के प्रमुख चौराहों पर जागरूकता शिविर लगाए गए। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. इरम हसन की निगरानी में यह शिविर निर्मल कुटिया चौक और मटका चौक पर लगाए गए। पैरा लीगल वालंटियर्स पूजा और अज्ञा पाल ने चालान टीम के साथ मिलकर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ मूनक की बैठक आयोजित

करनाल। परशुराम धर्मशाला में ब्लॉक मूनक की रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता खंड प्रधान सूरत शर्मा ने की, संचालन डॉ. रणदीप श्योराण और जिला प्रधान मास्टर बलराज सिंह ने किया। बैठक में केंद्र सरकार के पेंशन विधेयक 2025 का पुरजोर विरोध किया गया और 15 जुलाई को जिला स्तर पर प्रदर्शन तथा 17 सितंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई। यहां डॉ. रणदीप श्योराण, महेंद्र मान, जयपाल सिंह, माई चंद शर्मा, ओम प्रकाश, राधेश्याम, बिशन सिंह, रामचंद्र संधू, सत कुमार, दयानंद मान, ईश्वर सिंह, सुबे सिंह, शिवचरण, रुलिया राम इत्यादि।

जुरासी कलां में जांचा 58 लोगों का स्वास्थ्य

पिहोवा। लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से चलाई गई मेडिकल वैन शुक्रवार को गांव जुरासी कलां में पहुंची। इन दोनों गांवों में डॉ. प्रमोद के नेतृत्व में टीम ने ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गई। 50 लोगों को दवा देने के साथ 8 मरीजों लैब टेस्ट किए गए। कुल 58 लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया। यशस्वी योजना से संबंधित कई आवेदन शिविर में पहुंचे। इस अवसर पर सरपंच जरनैल सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल जो बात कहते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं। सांसद चुने जाने के तुरंत बाद उन्होंने अपने संकल्प पत्र का वादा पूरा करते हुए निशुल्क मेडिकल वैन सेवा शुरू की। बेटियों के लिए 2100 रुपये की कन्यादान योजना, यशस्वी छात्रवृत्ति योजना, अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्किल केंद्र ऐसे बहुत से उदाहरण हैं। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो संकल्प लेकर चल रहे हैं।

धरती को हराभरा बनाने के लिए पौधरोपण के साथ देखभाल भी जरूरी

छात्रों ने वन महोत्सव के तहत पौधरोपण कर सुरक्षा कर संरक्षण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| तरावड़ी

एसएमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल तरावड़ी में वन महोत्सव के तहत पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ। कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तरावड़ी में विद्यालय की ओर से ही विभिन्न स्थानों तरावड़ी बस स्टैंड, पुलिस स्टेशन, सिविल हॉस्पिटल, और अन्य कई सरकारी संस्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। आयोजन के तहत विद्यालय के छात्र- छात्राओं की सहायता से वृहद रूप से फलदार और छायादार पेड़ों को लगाया गया। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में पौधों के योगदान को बताते हुए पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। विद्यालय के प्रबंधक सरदार गुरशरण सिंह ग्रेवाल ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वन महोत्सव, भारत में हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। यह पेड़ लगाने को समर्पित पर्व है। वन महोत्सव का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और

तरावड़ी। एस एम एस स्कूल के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण करते हुए।

जलवायु परिवर्तन को रोकने में पेड़ों और जंगलों के मूल्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वन महोत्सव एक अद्वितीय अवसर है जब हमें अपने प्राकृतिक समृद्धि की दिशा में सकारात्मक कदम उठाना चाहिए। सिविल अस्पताल के डा. कैलाश गर्ग ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि वन महोत्सव एक अद्वितीय अवसर है जब हमें अपने प्राकृतिक समृद्धि की दिशा में सकारात्मक कदम उठाना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि पेड़ों के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है, और इसलिए हमें इनके संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। विद्यालय प्राचार्य डॉ विभा कौशिक ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य समाज में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता फैलाना और पर्यावरण को संरक्षित करना है। हमें इस अवसर पर संकल्प लेना चाहिए कि हम न केवल वृक्षारोपण करेंगे, बल्कि उनकी देखभाल भी करेंगे। वन महोत्सव एक ऐसा अवसर है जो हमें अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है और हमें पर्यावरण के प्रति सजग बनाता है। क्योंकि पेड़ मानवता को दिया गया सबसे अमूल्य उपहार है, इसलिए हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए।

तरावड़ी। अपोलो स्कूल के बच्चें अपने सर्टिफिकेट के साथ।

अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने जीते मेडल

तरावड़ी। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने इंटरनेशनल ओलंपियाड कंपटीशन में सुपर परफॉर्मेंस तथा अचीवर में मेडल हासिल किए। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल दादूपुर खुर्द के छात्रों ने साइंस, मैथ और इंग्लिश के इंटरनेशनल ओलिंपियाड में बढ़-चढकर भाग लिया। जिसमें सुपर परफॉर्मेंस में पृशा (कक्षा तीसरी) तथा ईशानी (कक्षा सातवीं) और (कक्षा नौवीं)से वर्षणिक तथा विवेक ने मेडल प्राप्त किया। अचीवर एन मेरिट में कक्षा आठवीं से अन्वी तथा कक्षा आठवीं से दक्ष ने मेडल प्राप्त किया। इस कंपटीशन में बहुत सारे बच्चों को सर्टिफिकेट भी प्राप्त हुए। विभाग की शिक्षिका श्रीमती ममता छेत्री ने बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा बच्चों को कहा कि वे साइंस, मैथ और इंग्लिश जैसे विषयों को मनोरंजक ढंग से सीखे ताकि उनमें में प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर बच्चों में शानदार उत्साह देखने को मिला। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा जी ने सभी बच्चों को ओलंपियाड में अधिक से अधिक रुचि लेने का आग्रह किया तथा बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आज यही बच्चे कल को हमारे देश का नाम रोशन करेंगे तथा देश की उन्नति में योगदान देंगे। क्योंकि स्कूल ही वह पृष्ठभूमि होता है। जो बच्चों के भविष्य को उजागर करता हैं।

अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध कार्रवाई जारी : डीटीपी

घरौंडा। जिला नगर योजनकार सतीश कुमार ने बताया कि गत दिवस गांव कोहण्ड में दो अवैध कॉलोनियों केविरूद्ध तोड़फ़ोड़ की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि गांव कोहंड में कैमला रोड पर लगभग 5.5 एकड़ में स्थित अवैध कॉलोनी के विरूद्ध तोड़फ़ोड़ की कार्रवाई की गई, जिसके तहत सभी कच्ची सड़कों एवं प्लाट की चारदिवारी को तोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट घरौंडा नगरपालिका के सचिव व थाना घरौंडा की पुलिस फोर्स सहित कार्यालय की टीम मौके पर उपस्थित रही। जिला नगर योजनाकार ने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अवैध कालौनी में कोई निर्माण न करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफ़ोड़ की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने भूमि के टुकड़े काटकर बेचने वाले व जमीन मालिक को हिदायत देते हुए कहा कि प्लाट बेचने के नाम पर लिया गया धन तुरंत वापिस करें अन्यथा इस बारे में संबंधित थाने में मामला दर्ज करवाया जायेगा।

मीनाक्षी जैन को सर्वश्रेष्ठ प्रधान का खिताब मिला

करनाल। रोटरी डिस्ट्रिक्ट द्वारा रोटरी सम्मान समारोह विजयोत्सव में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन राज पाल सिंह व मंडल की प्रथम महिला रोटेरियन इंदरवीर कौर द्वारा रोटरो क्लब करनाल को उसके द्वारा सम्पूर्ण वर्ष मैं किये गए जनमानस के कल्याण कार्यों हेतू विभिन्न श्रेणियों में कुल 12 पुरस्कार प्रदान किये गए जिसमें क्लब को सर्वश्रेष्ठ क्लब,डॉ पी के जैन को जोन 11 का सर्वोत्तम रोटेरियन,मिनाक्षी जैन को सर्वोत्तम प्रधान,गौतम जैन को सर्वोत्तम सचिव व पॉच सदस्यों डॉ अरुण सूद,डॉ डी डी शर्मा,डॉ विक्रम मितल,राजेश बांभा व भारती शर्मा को क्रियाशील सदस्यों का पुरुस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त क्लब को रक्त दान शिविरों के आयोजन,शीतल जल कूलर की स्थापना,वृद्धाश्रम की आर्थिक सहायता व जरूरतमंद व्यक्तियो को शीत ॠतु मैं कंबल वितरण हेतु भी विशेष पुरस्कार प्रदान किये गए।

पत्रकार रोहित लामसर की माँ के निधन पर विधायक व चेयरमैन समेत गणमान्य लोगों ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| तरावड़ी

शहर की कई सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार रोहित लामसर की माता कमला रानी अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर प्रभु चरणों मे लीन हो गई हैं। उनके निधन पर हल्के के विधायक भगवनादास कबीरपंथी, पंजाबी सभा के अध्यक्ष राजीव नारंग, नगरपालिका चेयरमैन वीरेंद्र बंसल, नगरपालिका सचिव अजीत कुमार, उद्योगपत्ति प्रदीप गुप्ता, सचिन गर्ग, राजकुमार खुराना, पार्षद नरेश गाबा, पार्षद कमल जांगड़ा, पार्षद देसराज, स्वच्छ भारत मिशन के वाईस चेयरमैन सुभाष चन्द्र, पवन कुमार, पूर्व सरपंच कर्मसिंह जाम्बा, ललित बुटाना, डा. अशोक कुमार वर्मा, डा. मुनीष परवेज राणा, पवन आश्री,

तरावड़ी। पत्रकार रोहित लामसर की माता के निधन पर शोक जाहिर करते लोग।

रामसिंह नम्बरदार, सुल्तान सोलहो, मुकेश गर्ग, सोमप्रकाश कालड़ा, संदीप जोशी, संदीप कटारिया, जोगिंदर चौहान व प्रदीप भटनागर ने वार्ड नम्बर 5 रविदास मंदिर के पास स्तिथ उनके आवास पर पहुँचकर शोक जताया ओर परिवार को सांत्वना दी। इसके अलावा करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेणु बाला गुप्ता, नगरपालिका चेयरमैन सनमीत कौर आहूजा, प्रतिनिधि सतनाम आहूजा, शिवनाथ कपूर, मंडी प्रधान सुभाष गुप्ता, भाजपा मंडल तरावड़ी, राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन, श्री हनुमान सेवा समिति, भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी, भाजपा मंडल नीलोखेडी, तरावड़ी पत्रकार एकता मंच, आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी, भारत विकास परिषद शाखा पड़वाला, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, रेल यात्री वेल्फेयर एसोसिएशन, श्री सनातन धर्म सभा, शिव शक्ति संकीर्तन मंडल, जय भारत युवा मंडल, गारमेंट एसोसिएशन तरावड़ी, राहगीरी टीम तरावड़ी, लक्ष्य जनहित सोसाइटी, व्यापार मंडल तरावड़ी के अलावा शहर की कई धार्मिक सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों स्वामी मुक्ता भारती, स्वामी मुकेश भारती, पत्रकार वीरेंद्र जागड़ा, जोगिंदर चौहान, रामकुमार गुप्ता, संदीप कटारिया व पंकज ठाकुर, राजीव ठाकुर, संजीव चौहान ने शोक जताया है।

हलके की वर्षों से लंबित मांगों को अब प्राथमिकता दी जा रही हैः द ग्रेट खली

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| तरावड़ी

विधायक भगवानदास कबीरपंथी के कुशल नेतृत्व और समर्पण के परिणाम स्वरूप हलका में विकास की गति लगातार तेज हो रही है। सडक़, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है, जिससे आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। यह विचार इंटरनेशनल रेसलर द ग्रेट खली ने विधायक भगवानदास कबीरपंथी से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विधायक ने हाल ही में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है, जिनमें नई सडक़ों का निर्माण, पेयजल आपूर्ति की सुविधा और स्वास्थ्य केंद्रों का सुदृढ़ीकरण प्रमुख हैं। साथ ही

तरावड़ी। इंटरनेशनल रेसलर द ग्रेट खली विधायक भगवानदास कबीरपंथी से मुलाकात करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण इलाकों के विकास की दिशा में भी ठोस कदम उठाए गए हैं। खली ने विधायक की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित मांगों को अब प्राथमिकता दी जा रही है। गांवों से लेकर कस्बों तक सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आए दिन जिस तरह से विधायक हलका के सैकड़ों लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करने में लगे हैं उससे भाजपा की नीयत पर शक नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी का भी साफ मिशन है कि देश को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करना। विधायक भी इसी काम में लगे हुए हैं। हलका की जनता को एक ईमानदार और मेहनती विधायक मिला है। इस मौके पर विधायक ने खली का अपने निवास स्थान पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया।

प्रेरणा समिति ने किया पौधरोपण

कुरुक्षेत्र। पर्यावरण संरक्षण के लिए गठित प्रेरणा समिति हरियाणा द्वारा पिपली सड़क पुलिस लाइन के बाहर पीपल के पौधे रोपित किए। पिछले एक दशक से प्रेरणा समिति हरियाणा साइकिल की सवारी को प्रोत्साहन के साथ साथ पौधारोपण में अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य कर रही है। प्रेरणा समिति हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में वर्षा ऋतु में निरंतर 10 पौधे रोपित किए गए। प्रेरणा समिति हरियाणा के सदस्यों ने मिलकर पौधे रोपित किए जिसमे डॉ. सत्यनारायण शर्मा, कर्म चंद, अक्षय वर्मा और नरेश सैनी ने विशेष रूप से सहभागिता की. डॉ. अशोक कुमार वर्मा, डॉ. सत्यनारायण शर्मा और कर्म चंद ने गड्ढे तैयार किए और नरेश सैनी और डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने उन्हें जल देकर सींचा।

रोटरी क्लब ने स्थापना दिवस पर लगाई मीठे पानी की छबील

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

रोटरी क्लब करनाल ने अपना 73 वॉ स्थापना दिवस सैक्टर 8 स्थित अटल पार्क के मुख्य द्वार पर मीठी लस्सी की छबील लगा कर मनाया। ज्ञातव्य हो कि रोटरी क्लब करनाल की स्थापना,विश्व संस्था रोटरी इन्टरनेशनल द्वारा 29 जून 1953 को चार्टर संख्या 15349 के अधीन प्रदान हुई थी। रोटरी संस्थान द्वारा विश्व स्तर तथा स्थानीय स्तर पर निरन्तर समाज सेवा के कार्य किये जाते हें जैसे पोलियो उन्मूलन,विकलांगों को कृत्रिम अंग की उपलब्धता,विद्यालयों में कम्प्यूटर वितरण, चिकित्सालयों में

डायलिसिस मशीनों व शहर में शीतल जल कूलर की स्थापना,मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति,जरूरतमंद व्यक्तियों को गरम कपडे/ कंबल,अनाथाश्रम व वृद्धाश्रम में यथोचित सहयोग आदि। आज के प्रकल्प में रोटेरियन मीनाक्षी जैन,जगदीश अग्रवाल,मनीष अग्रवाल,डॉ विक्रम मितल,कुलभूषण जैन,ईश्वर बहल,ब्रिज गर्ग,नरेन्द्र गोयल,पी आर नाथ, प्रशांत जैन,मुनीष गुप्ता,सुरेन्द्र जैन आदि उपस्थित रहे व प्रातःकाल में पार्क में भ्रमण हेतु आये समस्त जनमानस ने लस्सी का भरपूर रसास्वादन किया।

अमीन में 70 जरुरतमंद परिवारों को सामान का किया वितरण

- आज 200 परिवारों को वितरित किया जाएगा सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सतयुग दर्शन ट्रस्ट फरीदाबाद जरूरतमंद लोगों का सहारा बनता जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा शुरू किए गए एक अभियान के तहत रोजाना देश विदेश में हजारों लोगों की मदद की जा रही है। इसी कड़ी में ट्रस्ट 6 जुलाई रविवार को शीला नगर स्थित सतयुग डिस्पेंसरी पर 200 जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेंगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 7 बजे जरुरतमंद लोगों को कपड़े, राशन का सामान व आर्थिक सहायता दी जाएगी। अभियान के तहत ट्रस्ट के सदस्यों ने शनिवार को

कुरुक्षेत्र। सामान वितरित करते ट्रस्ट के सदस्य।

महावीर सत्संग सभा अमीन में 70 जरुरतमंद परिवारों को सामान वितरित किया। अभियान के अन्तर्गत ट्रस्ट ने अपने सभी सदस्यों सहित समाज के समृद्ध लोगों से अपील की है कि व अपनी एक महीने की आय इस नेक कार्य में समर्पित करें। इस आय का उपयोग जुलाई माह के दौरान जरुरतमंदों को ढूंढ-ढूंढ कर भोजन, वस्त्र और सहायता राशि प्रदान करने में किया जा रहा है।

जल व सीवरेज बिल के नाम पर हो रही ठगी

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने आमजन को चेताया है कि साइबर अपराधी नागरिकों से फोन और मैसेज कर बिलों की राशि वसूलने का प्रयास कर रहे हैं। जिन नंबरों से यह ठगी हो रही है वे हैं: 9242029307, 09220415166, 7050520958, 7484842738

इन नंबरों से जल और सीवरेज बिल की रकम और बारकोड वाले फर्जी बिल मांगे जा रहे हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि नगर निगम न तो किसी को फोन करता है, न ही मैसेज भेजकर भुगतान मांगता है। सभी बिल अधिकृत टीम द्वारा घर-घर जाकर दिए जाते हैं। कहा है कि सीएफसी केंद्र जाकर ही करें भुगतान और फर्जी कॉल की सूचना तुरंत पुलिस को दें किसी लिंक या यूपीआई पर भुगतान न करें।

17 पेट्रोल पंपों की संपत्ति होगी अटैच बकाया 49 लाख, कल तक मोहलत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

करनाल नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स वसूली के लिए एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में 17 पेट्रोल पंपों पर कुल 49,19,000 का बकाया प्रॉपर्टी टैक्स है। इन संचालकों को सोमवार तक का समय दिया गया है, अन्यथा उनकी संपत्तियों को कुर्क किया जाएगा।

निगम द्वारा पहले कुल 27 पेट्रोल पंप संचालकों को नोटिस जारी किए गए थे, जिनमें से केवल 10 संचालकों ने कर जमा कराया, जबकि बाकी 17 ने कोई रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद निगम के प्रवर्तन दल ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक डिफाल्टर पंप पर जाकर नोटिस थमाए।

इन पैट्रोल पंपों पर कार्रवाई

- इंडियन ऑयल, – 1,32,458
- भारत पेट्रोल पंप, – 81,388
- इंडियन ऑयल, सेक्टर-14 – 5,48,527
- इंडियन ऑयल, केएफसी के पास – 7,16,903
- इंडियन ऑयल, आजाद नगर – 44,339
- भारत पेट्रोलियम, जीटी रोड – 26,701
- एचपी, तहसील मार्केट – 45,476
- इंडियन ऑयल, नसीबपुरा – 72,197
- भारत पेट्रोलियम, अर्जुन नगर – 37,403
- भारत पेट्रोलियम, सेक्टर-9 – 62,975
- एस्सार, उत्तम नगर – 1,47,315
- एचपी, पुरानी तहसील मार्केट – 5,39,678
- एचपी, विकास कॉलोनी – 67,815
- इंडियन ऑयल, 22,04,366
- इंडियन ऑयल, सब्जी मंडी – 1,19,817
- इंडियन ऑयल, सेक्टर-3 38,489

कल तक बकाया जमा नहीं हुआ तो होगी कुर्की

आयुक्त ने बताया कि सोमवार के बाद यदि बकाया जमा नहीं हुआ, तो निगम की संपत्ति कुर्की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके पश्चात बड़े प्राइवेट स्कूलों पर भी ऐसी ही कार्रवाई होगी, जिन पर 5 लाख रुपये से अधिक टैक्स बकाया है। आगे किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी, नियमों का पालन नहीं करने पर सीधी कार्रवाई

पंचायत संसाधन केंद्र में महिला जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण संपन्न

महिलाओं को दी ग्रामसभा प्रक्रिया की जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| नीलोखेड़ी

पंचायती राज विभाग, हरियाणा द्वारा राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, नीलोखेड़ी में आयोजित चार दिवसीय महिला जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफल समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का प्राथमिक उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को पंचायत कार्यप्रणाली, प्रभावी संचार कौशल और ग्राम सभा की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन की शुरुआत सुबह सरोज सैनी द्वारा गत दिवस की पुनरावृत्ति और ऊर्जावान गतिविधियों के साथ हुई, जिसने प्रतिभागियों में नया जोश भर दिया।

नीलोखेड़ी। महिला जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागी व आयोजक।

कार्यक्रम के प्रातःकालीन सत्र में प्रतिभागियों ने पूर्व में सीखे गए विषयों का गहन अभ्यास किया। इसमें विशेष रूप से ग्राम सभा की प्रक्रियाएं एवं कार्यविधियां और मौखिक एवं हाव-भाव से जुड़ा संवाद कौशल (Verbal & Non-verbal Communication) शामिल थे। नेहा और कविता ने संवादात्मक विधियों के माध्यम से इन विषयों को और अधिक सुलभ बनाया।

दोपहर तक मुख्य सभागार में एक सामूहिक चर्चा और फीडबैक सत्र आयोजित किया गया, जहाँ प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों को साझा किया। इस सत्र का कुशल संचालन नीलम कुमारी द्वारा किया गया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न शैक्षणिक उपकरणों और तकनीकों के प्रयोग पर चर्चा की। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उनके संदेहों को स्पष्ट किया गया, और कुछ चयनित प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों ने व्यावहारिक प्रस्तुतियाँ भी दीं, जिनसे उनके आत्मविश्वास का प्रदर्शन हुआ। इस सत्र का एक विशेष आकर्षण EWR थीम सॉन्ग का सामूहिक गायन रहा, जिसने सभी को एक साथ बांध दिया। समूह चर्चाओं, व्यावहारिक अभ्यासों और प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान को मजबूती मिली, जिससे प्रतिभागियों में उल्लेखनीय आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए

समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नव नियुक्त निदेशक महोदय भी उपस्थित रहे और उन्होंने सभी महिला प्रतिनिधियों के योगदान और सीखने की तीव्र इच्छा की सराहना की। समापन सत्र में नीलम चिकारा ने कहा कि इस /"ऐसे प्रशिक्षण समय-समय पर होते रहने चाहिए ताकि महिला प्रतिनिधियों को सशक्त एवं जागरूक बनाया जा सके।/" यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला प्रतिनिधियों में संवाद, नेतृत्व और ग्राम सभा प्रक्रियाओं की बेहतर समझ विकसित करने में अत्यधिक सफल रहा।

खबर संक्षेप

शाहपुर के पास हादसे में व्यक्ति की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव शाहपुर के पास रोहतक हाईवे पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक राकेश कुमार निवासी गांव गढ़ी उजाले खान जिला सोनीपत की मौत हो गई। राजेश, पानीपत की सब्जी मंडी में जामुन बेचकर अपनी बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। इधर, थाना इसराना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद राकेश का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और मृतक के भाई ऋषि की शिकायत पर कार के चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कहासुनी के बाद हमले के दो आरोपी पकडे

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने चौटाला रोड स्थित ढाबे के पास शराब पार्टी के दौरान कहासुनी की बाद दोस्त पर चाकू से जानलेवा हमला करने के दो आरोपियों पहलवान चौक कुटानी रोड निवासी शिव प्रसाद उर्फ शिबी व गांव बापौली निवासी राजेश को गिरफ्तार कर लिया है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि औद्योगिक हुडा सेक्टर 29 में गांव नंनदपुर इटावा बिहार हाल किरायेदार छाजपुर निवासी रविंद्र की शिकायत पर केस दर्ज़ है।

बड़े भाई की हत्या का आरोपी पकड़ा

पानीपत। पानीपत के गांव नांगल खेड़ी में बिजली बिल को लेकर मामूली कहासुनी में बड़े भाई मुकेश की कुदाल से वार कर हत्या करने के आरोपी राकेश को सीआईए वन पुलिस ने शुक्रवार शाम को फ्लौरा चौके से गिरफ्तार किया। डीएसपी सुरेश सैनी ने बताया कि मुकेश हत्याकांड में थाना औद्योगिक हुडा सेक्टर 29 में नांगलखेड़ी गांव निवासी अशोक की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं मुकेश हत्याकांड की पूरी जानकारी लेने के लिए पुलिस ने राकेश को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है।

भूमिया खेड़े पर हवन व भंडारे का आयोजन

समालखा। पानीपत गांव गढ़ी त्यागयान में भूमिया खेड़ा सेवा समिति की ओर से समस्त गांव वासियों के सहयोग से हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र छौक्कर, रामेश्वर छौक्कर, सुधीर छौक्कर, शमशेर छौक्कर, पन्ना लाल, ईश्वर डांगी, प्रकाश चंद, जयपाल, सुरेश छौक्कर, परस राम शर्मा, विनोद शर्मा, अशोक कुमार, पहल सिंह, चरण सिंह, कुलदीप सिंह, विकास गुप्ता, रणधीर सिंह, महेंद्र सिंह, मोहन छौक्कर व प्रीतम छौक्कर आदि मौजूद रहे।

गंगापुरी रोड पर नकाबपोशों ने युवक से जेवर छीने

पानीपत। पानीपत में गंगापुरी रोड पर तीन नकाबपोश बदमाशों ने हथियारों के बल पर आईटीसी कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव मनोज पूनिया निवासी अमर भवन चौक से करीब पौने दो लाख रूपये कीमत की सोने की चेन लूट ली। घटना के दौरान मनोज के साथ उसका दोस्त रवि भी था। इधर, मनोज की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं यह पूरी घटना वारदात स्थल पर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों दर्ज हो गई।

बेकरी की दुकान पर किशोरी से छेड़खानी

पानीपत। पानीपत की एक कॉलोनी में बेकरी की दुकान पर काम करने वाले नौकर ने 12 साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ की वारदात को अंजाम दिया। वह लड़की को पिछले चार माह से छेड़रहा था। उसका पीछा करता था। बच्ची की वीडियो और फोटो भी उसने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। बच्ची के पिता की शिकायत पर थाना चांदनी बाग पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्राह्मण माजरा में युवक लापता, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के गांव ब्राह्मण माजरा में निवास कर रहे राहुल पुत्र रामकुमार मांझी मूल निवासी नवादा बिहार लापता हो गया। वहीं रामकुमार माझी ने इसराना थाने में राहुल के लापता होने का केस दर्ज करवाया है। वहीं, राहुल मानसिक रूप से कमजोर है और पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश कर रही है।

प्रवासी श्रमिक संख्या बल बढ़ने से सबसे बड़े गांव सिवाह में विकास कार्य बाधित हुआ

विकास कार्यों के लिए कम पड़ रही ग्रांट रोडवेज पर सिवाह पंचायत के 2 करोड़ बकाया

पंचायत के समक्ष आ रही समस्याओं को लेकर शनिवार को सरपंच सुनीता कादियान ने प्रेस वार्ता की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह की सरपंच सुनीता कादियान व पूर्व सरपंच चौ.रणदीप कादियान प्रेस वार्ता करते हुए।

■ सरपंच ने प्रदेश सरकार से गांव की बढती आबादी के हिसाब से ग्रांट व सुविधा बढाने की अपील की

पानीपत के सबसे बड़े गांव सिवाह के विकास कार्यों और पंचायत के समक्ष आ रही समस्याओं को लेकर शनिवार को सरपंच सुनीता कादियान ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि गांव सिवाह के प्रदेश सरकार से मिल रही ग्रांट से विकास कार्य करवाए जा रहे है। वहीं, गांव सिवाह में मूल आबादी से दुगने प्रवासी श्रमिक रह रहे हैं। इसके चलते प्रदेश सरकार से मिल रही ग्रांट कम पड़ जाती है। धन के अभाव में गांव की सड़कों और नालियों की सफाई ठीक से नहीं हो पाती। वहीं, वर्तमान में ग्राम पंचायत के पास केवल पांच सफाई कर्मचारी है, जबकि आबादी व प्रवासी श्रमिकों की संख्या के हिसाब से 25 सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेश सरकार से गांव सिवाह की जनसंख्या के हिसाब से विकास कार्यों की ग्रांट की मांग करते हुए खुलासा किया कि हरियाणा परिवहन विभाग का जिला स्तरीय बस अड्डा गांव सिवाह में बना है। वहीं बस स्टैंड पर यात्रियों के बडी संख्या में आवागमन के कारण बस अड्डे के गंदे पानी की निकासी सफाई व्यवस्था और अड्डे पर होने वाली भीड़ भी अनेक समस्याएं खडी हो गई है। उन्होंने बताया कि बस अड्डे का पंचायत के साथ अनुबंध हुआ था तो 40 लाख रुपए वार्षिक पंचायत को रोडवेज विभाग देगा, दो साल ही यह भुगतान ग्राम पंचायत सिवाह को मिला। वर्तमान में गांव सिवाह पंचायत का करीब दो करोड रूपये हरियाणा परिवहन विभाग पर बकाया है।

उन्होंने कहा कि गांव सिवाह पंचायत ने हर परिस्थिति में पानीपत प्रशासन व प्रदेश सरकार का सहयोग किया है और भविष्य में भी यह सहयोग निर्बाध जारी रहेगा। वहीं, पूर्व सरपंच रणदीप कादियान ने कहा कि रोडवेज बस अड्डे के बनने से सिवाह गांव को प्रदूषण गंदगी और भीड़ बढ गई है। इसके मद्देनजर हरियाणा सरकार, पानीपत जिला प्रशासन, पंचायती राज विभाग और परिवहन विभाग के साथ साथ गांव का हर नागरिक, गांव को स्वच्छ बनाने में पूर्ण सहयोग दे।

इस अवसर पर जयदीप नंबरदार और पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के प्रधान राजवीर शर्मा, महेंद्र सिंह, राजवीर कादियान आदि उपस्थित रहे।

पानीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल की मुख्य शिक्षिका सुषमा बूरा, छात्रों को पौधे बांटते हुए। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण को घना करने के लिए पौधे लगाएं विद्यार्थी : सुषमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| -कैथल

■ विद्यार्थियों पौधे बांट एक पौधा मां के नाम अभियान को आगे बढाया

राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल अग्रवाल मंडी आठ मरला पानीपत की मुख्य शिक्षिका सुषमा बूरा व स्कूल स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को सावन महीने में पौधे लगाने के लाभ बताए और विद्यार्थियों को पौधे वितरण किये। एक पौधा मां के नाम से शनिवार को दिवस मनाया गया। और उन्हें पौधे लगाने के लिए जागरूक किया। मुख्य शिक्षिका सुषमा बूरा ने बताया की सावन में बारिश होती है और यह सबसे उत्तम समय रहता है पौधे लगाने का। यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है। विद्यार्थियों को बताया गया की अपने हर जन्म दिवस पर कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए और साथ ही इनकी देखभाल भी कीजिये।

वहीं पर्यावरण जितना अधिक होगा, वातावरण उतना ही अच्छा होगा। इसके मद्देनजर हर नागरिक पौधे रोपे व उनकी जवान होने तक देखभाल करें। इस मौके पर स्कूल स्टाफ और सभी विद्यार्थियों मौजूद रहे।

योग तपस्या भट्टी में तप रहे ब्रह्माकुमार

■ ध्यान, साइलेंस, और योग अनुभूतियों का अनवरत क्रम प्रेरणास्रोत बन रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। योग तपस्या भट्टी में भाग लेने वाले बीके ब्रह्मकुमार। फोटो : हरिभूमि

ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर में ब्रह्माकुमारीज के तत्वावधान में योग तपस्या भट्टी का आयोजन किया गया है जो चार जून की सायंकाल से प्रारंभ होकर 6 जुलाई की दोपहर तक चलेगी। इस आध्यात्मिक आयोजन में देश भर से आए साधक गहन योग साधना में लीन हैं। इस तपस्या भट्टी के मुख्य प्रवक्ता बीके भारत भूषण, बीके बिंदु बहन एवं बीके सुनीता बहन ने सत्रों का संचालन किया। इन्होंने प्रवचनों के माध्यम से साधकों को आत्मचिंतन और स्वयं की शक्ति पहचानने की प्रेरणा दी। कॉमें ट्री द्वारा गहन मेडिटेशन सत्र कराए गए। इस तपस्या भट्टी का उद्देश्य साधकों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मबल और उमंग उत्साह का संचार करना है। तपस्या भट्टी में साधकों में अपार उमंग एवं उल्लास देखने को मिल रहा है। आयोजन के दौरान ध्यान, साइलेंस, और शक्तिशाली योग अनुभूतियों का अनवरत क्रम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

श्री सहजपाठ साहिब के भोग पाए गए

गुरु हरगोबिंद का मीरी-पीरी दिवस श्रद्धा-सत्कार से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब में गुरु हरगोबिंद साहिब को श्रद्धांजलि देते हुए संगत ।फोटो : हरिभूमि

समालखा के माडल टाऊन गुरुद्वारा नानक दरबार साहिब में संगत द्वारा छठे गुरु हरगोबिंद साहिब का मीरी-पीरी दिवस बड़ी श्रद्धा-सत्कार के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर बीबी गुलशन कौर परिवार की तरफ से श्री सहजपाठ साहिब के भोग पाए गए। इसके उपरांत भाई गुरमुख सिंह ने गुरबाणी कीर्तन करके संगत को निहाल किया।

वहीं, गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जगतार सिंह बिल्ला ने कहा कि पांच जुलाई का दिन गुरु हरगोबिंद साहिब के बलिदान और उनके द्वारा सिख समुदाय को दी गई शिक्षाओं को याद करने का दिवस है। यह दिन सिखों को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और सामाजिक न्याय के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर हीरा सिंह, श्याम सिंह, नारायण दास, हरप्रीत सिंह, भूपिंद्र कौर, सरोज देती, बबली कौर, समेत बडी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

जुवेनाइल कोर्ट की जज ने पानीपत जेल का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

■ जेल में बंद किशोर से मिली, जांच अधिकारी का पक्ष सुना

जुवेनाइल कोर्ट के जज पुनीत लिंबा ने जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूडसी) की टीम के साथ पानीपत जेल का दौरा कर जेल बंद किशोर से मुलाकात की उसके बयान दर्ज किए। जबकि जज लिंबा ने इस केस के जांच अधिकारी प्रदीप कुमार का पक्ष भी सुना। नाबालिग ने बताया कि वह पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद डर गया था, इसलिए उसने अपनी उम्र और नाम गलत बताए थे। वहीं,जज लिंबा के समक्ष नाबालिग ने स्पष्ट रूप से कहा कि उसे यह नहीं पता था कि गलत जानकारी देने का परिणाम क्या होगा। वह बहुत डर गया था, इसलिए खुद को 19 साल का बताते हुए गलत नाम भी बता दिया। अब वह पछता रहा है कि गलत उम्र बताकर उलझ गया, जबकि वास्तव में उसकी उम्र 14 साल है। इधर, सीडब्ल्यूसी के सदस्य मुकेश आर्य ने बताया कि नाबालिग के मामा ने उसकी उम्र से जुड़े तीन अहम दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट और आधार कार्ड समिति को सौंपे हैं। ये दस्तावेज संबंधित विभागों को वेरिफिकेशन के लिए भेजे गए हैं। पुष्टि होने के बाद नाबालिग को पानीपत से बाल सुधार गृह शिफ्ट किया जाएगा।

स्वरोजगार करके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हों नारी : सोनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। गांव बसाड़ा में प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को अथितियों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली नारी शक्ति।

पानीपत के गांव बसाड़ा में एनबीसीएफडीसी की स्पीड परियोजना के तहत प्रयत्न संस्था के द्वारा कार्यान्वित प्रोजेक्ट के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 10 दिवसीय आर्टिफिशियल ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन हो गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन प्रयत्न संस्था द्वारा किया गया था, जिसमें कुल 10 समूहों की 63 महिलाओं ने भाग लिया और आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण की बारीकियां सीखी। कार्यक्रम के अंतिम दिन महिलाओं द्वारा अपने हाथों से बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने सभी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया और उनकी मेहनत की सराहना भी की गई। इस अवसर पर सरपंच बंटी, आरएसईटीआई से रविंद्र, फाउंडेशन से सोनिया, सीलैब एजूकेशन फाउंडेशन से प्रदीप बंसल और प्रयत्न संस्था के जिला कार्यक्रम अधिकारी अंकित शर्मा ने महिलाओं को प्रमाण पत्र बांटें।

खबर संक्षेप

परेंट्स ने दिए नंबर

पानीपत। शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित कक्षा बाल वाटिका तीन से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मेगा पीटीएम का आयोजन राजकीय प्राथमिक पाठशाला वार्ड दस रानी महल में किया गया। शिक्षक बोधराज ने बताया कि जिसके अंतर्गत ग्रीष्म कालीन अवकाश के गृहकार्य का मूल्यांकन अभिभावकों द्वारा किया गया व उसी आधार पर अंक दिए गए। अपने बच्चों का स्वयं मूल्यांकन करके अभिभावक भी खुश थे। वहीं, अभिभावकों में सन्तोष, मंजू, पूनम, पिंकी, सिकन्दर, फूल सिंह, राजेश, रजनी, राकेश, अन्नू व बसंती देवी आदि उपस्थित रहे।

खेल महाकुंभ में चयन

पानीपत। हरियाणा खेल महाकुंभ के लिए आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल की जानवी को हॉकी टीम पानीपत की कमान दी गई है। टीम में हिमांशी, आरती जूनियर, निधि सीनियर, लक्षिका, केरल, मानशी, निधि जूनियर, आरती सीनियर, सेजल, रजनी, लक्ष्मी स्वर्नाली सरकार को शामिल किया गया है। वहीं, मैनेजर अरुण आर्य, नरेश गर्ग, प्रिंसिपल मीनाक्षी अरोड़ा, अनुभा गुप्ता, एथलेटिक्स कोच प्रदीप मलिक, धर्मेंद्र सिंह ने छात्राओं को बधाई दी।

पुलिस ने तीन चोर पकडे

पानीपत। पानीपत के बलजीत नगर में घर से बिजली की तार व गैस सिलेंडर चोरी करने के आरोप में थाना चांदनी बाग पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कैराना यूपी निवासी नईम व दानिश व यूपी के सहारनपुर जिले के सोरम गांव निवासी नावेज को गिरफ्तार किया है। थाना चांदनी बाग प्रभारी संदीप ने बताया कि चोरी के इस मामले में थाना चांदनी बाग में बलजीत नगर निवासी नरेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह में पशु अस्पताल के सामने स्थित मेडिकल स्टोर में घुसकर डंडों से मारपीट, चोरी करने व जाति सूचक गालियां देने के आरोपी अमित निवासी गांव सिवाह को थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस ने गिरफ्तार किया। डीएसपी सुरेश सैनी ने बताया कि थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में सिवाह गांव निवासी प्रदीप की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं फरार दो और आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मजदूरों ने बैठक की

समालखा। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर एआईयूटीयूसी हरियाणा के प्रदेश सचिव कॉ. हरिप्रकाश ने नौ जुलाई की राष्ट्र व्यापी हड़ताल की तैयारी के सम्बन्ध में ढलाई उद्योगों के मजदूरों के साथ बैठक की और हडताल में शामिल होने की अपील की। वहीं, मजदूरों ने हडताल में शामिल होने का आश्वासन दिया है।

विद्यार्थियों ने पोस्टर बना नशे से दूर रहने का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। राजकीय स्कूल गोयला के विद्यार्थी पोस्टरों का प्रदर्शन करते हुए।

गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोयला खुर्द में आज विद्यालय सुरक्षा समिति द्वारा आरती सलूजा प्रधानाचार्य के निर्देशन में ड्रग्स एब्यूज व ड्रग्स एडिक्शन विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रधानाचार्या आरती सलूजा द्वारा किया गया। आरती सलूजा ने कहा कि समाज को इस प्रकार के मादक पदार्थों और आपूर्तिकर्ताओं का बहिष्कार करना चाहिए। जीवन एक अनमोल उपहार है इसको नशे से बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए।

इन्हें मिला पुरस्कार

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रितिका प्रथम, निकिता और सृष्टि द्वितीय, उज्ज्वल और सहिर तृतीय स्थान व शिया को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका राजवीर सिंह, सुखविंदर और ऋतु ने निभाई। प्रतियोगिता के आयोजन में रितिका जताना, अनिल वैध, सोखेंद्र कुमार, मोनू रावल, विनोद रावल का विशेष योगदान रहा।

जनप्रतिनिधियों ने किया सीधा संवाद

यमुनानगर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मेयर मदन चौहान के नेतृत्व में पार्टी द्वारा शहर के गेबिंदपुरी मार्ग स्थित कार्यालय में शनिवार को चाय पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सामाजिक समरसता, संगठनात्मक संवाद और जनसेवा के मूल्यों पर चर्चा की गई। इस दौरानइ कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में गेल की पूर्व स्वतंत्र सदस्य एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री बंतो कटारिया ने भाग लिया।

बंदियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी

यमुनानगर। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन एवं पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित बतरा ने जिला जेल का निरीक्षण किया। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों को मूलभूत सुविधाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल में बंद महिला बंदियों की समस्याएं भी सुनी।

निरीक्षण के दौरान सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया भी मौजूद रहे। डीसी पार्थ गुप्ता व एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने जगाधरी के विश्रामगृह में उनका स्वागत किया। न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित बतरा ने कहा कि बंदियों को सभी मूलभूत सुविधाएं देना जेल प्रशासन की जिम्मेदारी है।

शतरंज से बच्चों में धैर्य व तर्क शक्ति विकसित होती है : ढांडा

■ सूबे के स्कूलों में हर वर्ष जुलाई माह के पहले शनिवार को मनाया जाएगा शतरंज दिवस, राजकीय स्कूल गांव कचरौली में शिक्षा मंत्री ने शतरंज खेल कर शुरू किया चेस डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। कचरौली के स्कूल में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का स्वागत करते आयोजक और विद्यार्थी के साथ शतरंज खेलते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

हरियाणा सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं तार्किक क्षमता को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि हर वर्ष जुलाई माह के पहले शनिवार को प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी स्कूलों में 'चेस डे' (शतरंज दिवस) मनाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत शनिवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालय (जीएमएस) गांव कचरौली, पानीपत से की गई। इस महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ आज राज्यभर के स्कूलों में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक सुनील बजाज ने की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विद्यालय परिसर में विशाल शतरंज बोर्ड पर प्रथम चाल चलकर चेस डे' का औपचारिक उद्घाटन किया। इधर, ढांडा ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं बल्कि बुद्धि, धैर्य, योजना, निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान कौशल को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों को ऐसे बौद्धिक खेलों से जोड़ना समय की मांग है. जिससे उनका मानसिक विकास संतुलित ढंग से हो सके। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने बच्चों से साथ साथ शिक्षकों से भी चेस खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि अगर शिक्षक मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे तो विद्यार्थी अपने आप ही स्वस्थ होंगे। वहीं, अध्यापकों के लिए भी चेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को विद्यालय स्तर पर 'चेस क्लब' गठित करने तथा नियमित शतरंज कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज घी की पेटी चोरी करने के मामले में पुलिस चौकी नंबर 1 ने दो शातिर चोर गुरविंद्र सिंह व हरविंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पांच चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है। आरोपियों से चोरीशुदा दो मोटरसाईकिल, दो एक्टिवा, दो गैस सिलेंडर व घी की पेटी बरामद की गई है। आरोपियों ने यह सभी वारदातें अंबाला शहर क्षेत्र में की हैं। पुरानी अनाज मंडी के पवन कुमार ने 15 जून 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 जून 2025 को मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों ने उसकी दुकान से घी की पेटी चोरी की है।

छात्रा जाह्नवी ने जेईई एडवांस में प्राप्त की उपलब्धि

कुरुक्षेत्र। विद्यालय की मेधावी छात्रा जाह्नवी ने अपनी कठिन मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से जेईई 2024 में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। जेईई मेन्स 2024 में जाह्नवी ने 35497 वां रैंक प्राप्त किया। इसके पश्चात जेईई एडवांस 2024 में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6269 वां रैंक प्राप्त किया। यह सफलता न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्राओं के लिए भी एक प्रेरणा है।

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगया स्वास्थ्य कैंप

पिहोवा। उपमंडल पिहोवा के गांव नैंसी, टबरा व जलबेहड़ा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठस्का मीरांजी की स्वास्थ्य टीम के द्वारा बाढ ग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण किया गया और स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कर बाढ ग्रस्त क्षेत्र में लोगों के स्वास्थ्य जांच की गई। स्थानीय लोगों की जांच उपरांत जरूरी दवाइयों का वितरण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठसका मीराजी के डेंटल सर्जन डा. अरुण गोत्रा ने गांव के लोगों को बताया कि बाढ़ के कारण पानी का जमाव होता है, जिससे मच्छरों का प्रजनन होता हैं।

मानसिक विकास के लिए खेलकूद आवश्यक

पिहोवा। राज्य खेल स्तरीय महाकुंभ कुरुक्षेत्र में आयोजित कराए गए खेलो में सारसा गांव सात बच्चो का चयन हुआ, यह जानकारी देते हुए हैंडबॉल खेल नर्सरी सारसा के संचालक कोच राजेन्द्र फौजी सारसा व कोच संजय फौजी खिजारपुरा ने बताया। इस अवसर पर समरोह के मुख्य अतिथि ऑस्ट्रेलिया से आए हुए समाजसेवी रवि मलिक ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। पढ़ाई के साथ बच्चों के लिए खेलकूद भी जरूरी है।

लोगों की आशाओं पर खरा नहीं उतर रही भाजपा सरकार

कुरुक्षेत्र। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय संयोजक रीना वाल्मीकि ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा लोगों की आशाओं पर खरा नहीं उतरी है। भाजपा की नीतियों से हर वर्ग का जीना बेहाल हो गया है। बिजली के दामों में बढोतरी करके उपभोक्ताओं को झटका दिया, अब सरकार ने बीपीएल कार्ड धारकों को दिया झटका।

चित्रा बोली आरोपी अफसरों के खिलाफ केस दर्ज करने से नहीं चलेगा काम

बैंक स्कवेयर योजना में घोटाला उजागर होने के कारण पूरी व्यवस्था कटघरे में

अंबाला छावनी का शायद ही कोई प्रोजेक्ट ऐसा हो जिसमें भ्रष्टाचार न हुआ हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

बैंक स्कवेयर योजना में घोटाला उजागर होने के बाद अब युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने पूरी व्यवस्था पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस बात पर कोई संदेह नहीं बचा कि अंबाला छावनी का शायद ही कोई प्रोजेक्ट ऐसा हो जिसमें भ्रष्टाचार न हुआ हो। जब बैंक स्क्वायर प्रोजेक्ट में कथित घोटाले की जांच घोषित हुई है ये तथ्य पब्लिक में खुलने के बाद की टेंडर प्रक्रिया में 87.12 करोड़ की सबसे किफायती बोली को अयोग्य घोषित कर 106.79 करोड़ की महंगी निविदा को सौंपा गया।

उन्होंने कहा कि यह कोई हैरानी की बात नहीं रही कि अंबाला के एक और प्रोजेक्ट में घोटाले के आरोप और तथ्य उजागर हुए हैं। ये सिर्फ़ सवाल नहीं हैं ये अब दस्तावेज़ हैं। यह तो बस शुरुआत है। आगे लोगों की मेहरबानियों की परतें खुलती जाएंगी। उन्होंने बताया कि हर बीमारी के कुछ 'कॉमन सि लक्षण होते हैं। इनसे उसकी पहचान हो सकती है। तभी सही इलाज हो सकता है। अंबाला छावनी के भ्रष्टचार के भी कुछ साफ़-साफ़ लक्षण हैं। जैसे प्रोजेक्ट द्वारा समय सीमा को 2-3 गुणा से लांघ जाना Iनिर्धारित बजट को 2-3 गुणा से लांघ जाना I बजट को लांघने के बाद भी प्रोजेक्ट अधूरा होना।

अगर इनको देखें तो शायद एक भी ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिलेगा जहां ये लक्षण देखने को नहीं हों। निकासी-सीवरेज प्रोजेक्ट से सड़कों तक, नागरिक अस्पताल से नाइट मार्केट तक, शिक्षा प्रणाली से जुड़े प्रोजेक्ट से लेकर स्टेडियम तक, अग्निशमन भवन से लेकर 1857 की क्रांति के अधूरे स्मारक तक। हर लटके प्रोजेक्ट की फाइल पर पर सम्भावित भ्रष्टाचार की धूल जमी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को हमने कई बार निवेदन किया कि इन सब प्रोजेक्ट्स की विजिलेंस जांच होनी चाहिए। अगर सरकार की मंशा वास्तव में भ्रष्टाचार मिटाने की है तो यह उनके लिए अग्निपरीक्षा है। जिसने खाया है उसे सामने लाया जाए। जेल की सलाखों के पीछे धकेला जाए। जनता को जवाब चाहिए। अब जवाबदेही से भागना बंद होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बैंक स्क्वायर प्रोजेक्ट के टेंडर के लिए चार कंपनियों ने आवेदन किया था। 87.12 करोड़ की सबसे किफायती बोली देने वाली मैसर्ज गोरा लाल बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स को तकनीकी बहाने से बाहर कर 106.79 करोड़ की कंपनी को काम सौंप दिया गया। मामला जब हाईकोर्ट और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा तो दोबारा जांच कर सही कंपनी को टेंडर दिया गया।

इन पर जांच की शुरू

एंटी करप्शन ब्यूरो ने इस मामले में रिटायर्ड एसडीएम सुभाष सिहाग, एसई रमेश मंढान, ईओ विनोद नेहरा, एक्सईएन पंकज सैनी, एमई हरीश मनेश्वर भारद्वाज, जेई हरीश शर्मा, कपिल कंबोज सहित नौ अधिकारियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चित्रा का कहना है कि सिर्फ यह कार्रवाई ही काफी नहीं है। जवाबदेही उस राजनीतिक व्यवस्था की भी होनी चाहिए जो इन अफसरों को संरक्षण देती आई है।

अंबाला। आश्रम का मुआयना करते सीजेएम।

सीजेएम ने अपना घर व बाल आश्रम का किया निरीक्षण

- सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवीण ने यहां चल रहे अपना घर और बाल आश्रम का औचक निरिक्षण किया। न्यायधीश ने आश्रम में रह रहे वृद्ध लोगों का हाल जाना तथा उन्हें यहां पर दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्हें यहां पर किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं है उस बारे भी जाना। सीजेएम प्रवीण ने इस मौके पर बाल आश्रम में बच्चों की देख रेख और उनको मिलने बाली सुविधाओं जैसे कि कमरों की साफ सफाई, बच्चों को दीं जानें वाली शिक्षा, बच्चों को दिया जाने बाले भोजन और रसोई घर का भी निरिक्षण किया। आश्रम में रह रहे बच्चों द्वारा हाथ से बनायी गयी चीजों को भी देखा। बच्चों की कलाकारी की भी प्रशंसा की। उन्होंने इस मौके पर बच्चों के स्वास्थ्य संबधी जानकारी भी ली और कहा कि यदि किसी भी बच्चे को अगर कोई समस्या होती है तो उसे तुरंत नजदीकी हस्पताल में इलाज करवाना है। सीजेएम ने आश्रम के सभी रजिस्टरों को भी चेक किया। वृद्ध आश्रम में कुल 9 वृद्ध पुरुष तथा 3 महिलाएं तथा बाल आश्रम में कुल 24 बच्चे तथा दोनों आश्रमों में स्टाफ आदि मौजूद थे।

चार साल से अधूरे पड़े 100 बैड के अस्पताल का जल्द शुरू होगा काम, सीएम ने दी मंजूरी

अंबाला। अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल के साथ अधूरे पड़े 100 बैड के अस्पताल का निर्माण जल्द शुरु हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से संबंधित फाइल को स्वीकृति प्रदान कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने एजेंसी को कार्य आदेश जारी कर दिए हैं ताकि जल्द काम शुरु हो सके। अधूरे निर्माण को पूरा करने के लिए 17 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह निर्माण कार्य जिरकपुर की एडी कंपनी को दिया गया है। नए अस्पताल में मरीजों के लिए कमरे, हॉल व तीमारदारों के ठहरने, रहने व खाने-पीने की सुविधा भी मिलेगी। बता दें कि 100 बैड के अस्पताल का काम चार साल से अधूरा पड़ा हुआ था। पहले निर्माण एजेंसी ने कोर्ट में मामला दायर कर दिया। इसके बाद यह मामला आर्बिट्रेशन में चला गया और यहां फैसला लोक निर्माण विभाग के हक में आया। इसके बाद विभाग ने तकनीकी कर्मचारियों की मदद से लंबित कार्य का लेखा-जोखा तैयार किया। इसके आधार पर ही अस्पताल को पूरा करने की अनुमानित लागत तैयार की गई।

अल्ट्रासाउंड मशीन हुई ठीक, जांच शुरू होने से मरीजों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नारायणगढ़। रेडियोलॉजिस्ट मरीज की जांच करता हुआ।

नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन अब दुरुस्त हो चुकी है। शनिवार को रेडियोलॉजिस्ट द्वारा 9 मरीजों का अल्ट्रासाउंड किया गया। एसएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि मशीन की तकनीकी खराबी को ठीक करवा लिया गया है। अब यहां पर मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी मिलेगी। डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यह प्रयास है कि जनता को अधिक से अधिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नागरिक अस्पताल को 50 से बढ़ाकर 100 बैड का करवाया गया है। इसका नया भवन लगभग बनकर तैयार हो चुका है। जल्द ही मरीजों को और बेहतर सुविधाएं मिलनी शुरू होंगी। एसएमओ ने लोगों से अपील की कि वे सरकारी अस्पताल की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

1100 जरुरतमंद महिलाओं को नकद राशि व सामान देकर की मदद

- सतयुग दर्शन ट्रस्ट व महाबीर सत्संग सभा की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। महिलाओं को नकद राशि व जरुरी सामान देकर मदद करते पूर्व मंत्री व मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

सतयुग दर्शन ट्रस्ट फरीदाबाद और महाबीर सत्संग सभा द्वारा अंबाला शहर में शनिवार को जरूरतमंद महिलाओं की मदद के लिए विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत संस्था से जुड़े सदस्यों ने अपने एक माह का वेतन इस मदद के कार्य में दिया है। इसके फलस्वरूप 1100 से अधिक महिलाओं को संस्था द्वारा नकद राशि,कपड़े और खाना दिया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री असीम गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर संस्था के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री असीम गोयल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान अंबाला नगर निगम की सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा व भाजपा के कई निगम सदस्य भी इस सेवा के कार्यक्रम में मौजूद रहे। मंच से अपने संबोधन में असीम गोयल ने संस्था द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन की असल पूंजी सेवा ही है। मीडिया से बात करते हुए गोयल ने कहा कि सेवा का यह कार्य निश्चित रूप से अद्भुत कार्य है। बता दें कि पूर्व मंत्री असीम गोयल ने भी अपनी एक माह की पेंशन इस सेवा के कार्य में देने की घोषणा मौके पर की। संस्था के पदाधिकारी सुंदर ढींगरा ने बताया कि सतयुग दर्शन ट्रस्ट के निर्देशानुसार इस सेवा के कार्य का आयोजन किया गया है जिसमें 1100 से अधिक महिलाओं की मदद की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह सेवा का कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सीनियर डिप्टी मेयर मीना ढींगरा, निगम सदस्य मोनिका मल,रूबी सौदा, सरदूल सिंह,फकीर चंद भाजपा नेत्री बीनू गर्ग, गुरविंदर मानकपुर,अमन सूद व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

चार साल से नहीं हुए अग्रवाल सभा के चुनाव निरंतर प्रशासक लगाए जाने की हो रही मांग

- चुनाव न होने से सभा के संसाधनों की नहीं हो रही सही ढंग से देखभाल, विज से भी सभा सदस्य कर चुके हैं मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की प्रतिष्ठित अग्रवाल सभा में पिछले चार वर्ष से लंबित चुनाव का विवाद लगातार बढ़ रहा है। इस मामले में सभा के सदस्य मांग कर रहे हैं कि सभा में चुनाव न होने से पारदर्शिता व संसाधनों की देखरेख ठीक से नहीं हो पा रही है।

इसी लेकर उन्होंने प्रशासक लगाने की मांग की थी। इस पर जिला सोसायटी रजिस्ट्रार ने उपायुक्त को पत्र भी लिख दिया था। तब एसडीएम छावनी को सभा का प्रशासक लगाए जाने की संभावना थी। अभी तक इस मामले में निर्णय लंबित है।

जिसके कारण सभा के सदस्यों में रोष भी बढ़ रहा है। इस मामले में अचानक से सोसायटी के स्टेट रजिस्ट्रार ने जिला कार्यालय से पूरे केस की फाइल अपने पास मंगवा ली है। इस केस में किस प्रकार की देरी हो रही है इस पर अवलोकन किया जा रहा है। अग्रवाल सभा कैंट की सबसे पुरानी सभाओं में से एक है। इस संस्था में 1454 सदस्य हैं। अग्रवाल सभा में साढ़े चाल साल से एडहॉक कमेटी नए पदाधिकारियों के चुनाव नहीं करा रही। सभा के सदस्य अनिल अग्रवाल ने बताया कि जिला सोसायटी रजिस्ट्रार से प्रशासक लगाने की मांग की गई थी। प्रशासक लगाने में देरी की जा रही है। साढ़े चार साल पहले संस्था में कई पद खाली थे। इसके लिए सोसायटी रजिस्ट्रार विभाग ने एडहॉक कमेटी का गठन किया गया था। इस एडहॉक कमेटी का कन्वीनर सुभाष गोयल को बनाया गया था। मगर साढ़े चार सात बीतने पर ही कमेटी संस्था के चुनाव नहीं करा सकी है। अनिल अग्रवाल ने बताया कि साढ़े चार साल से विभिन्न कारणों से चुनाव की फाइल सिरे ही नहीं चढ़ पा रही है।

लूट की चार वारदातों को सुलझाया गया

अंबाला। थाना सैक्टर-9 के मामले में वांछित आरोपी नवनीत सिंह उर्फ नवीं में दर्ज लूट के मामले में वांछित आरोपी भूपेंद्र उर्फ लबीश व थाना महेशनगर में दर्ज लूट के एक अन्य मामले में वांछित आरोपी लखन उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से तीन मोटरसाइकिल, दो अंगूठी, कड़ा, दो सोना चेन, दो चाकू बरामद किए गए हैं। आरोपियों द्वारा 11 मई 2025 को अंबाला शहर क्षेत्र से एक बुजुर्ग व्यक्ति से चाकू की नोक पर कड़ा छीना गया था। 23 जून 2025 को थाना पंजोखरा में चेन और अंगूठी छीनने की वारदात को अंजाम दिया गया था। 23 जून 2025 को ही थाना साहा क्षेत्र से चाकू की नोक पर दो अंगूठियां छीनने का मामला दर्ज किया गया था।

मेयर शैलजा सचदेवा को मिलेगा ऑफिस

- नगर निगम में चल रहा है काम
- 11 को हवन यज्ञ के बाद ऑफिस में करेंगी प्रवेश, सात महीने का बचा है कार्यकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- मेयर कार्यालय का कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका

अंबाला शहर की मेयर शैलजा सचदेवा को नगर निगम में नया कार्यालय मिलने जा रहा है। वह करीब चार महीने के बाद 11 जुलाई को अपने नए कार्यालय में बैठेंगी। हवन के बाद कार्यालय में प्रवेश किया जाएगा।

इस कार्यालय में बैठकर मेयर जनता की समस्याएं सुनेंगी। मेयर कार्यालय का कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

बता दें कि नगर निगम की ओर से कार्यालय को दोबारा तैयार करने के लिए 4 लाख 60 हजार का टेंडर लगाया गया था। बता दें कि निगम की ओर से मेयर का कार्यालय सीनियर डिप्टी मेयर के कार्यालय में ही बना दिया गया था। इसके बाद यह मुद्दा काफी चर्चा में रहा।

इसके बाद निगम की ओर से सीनियर डिप्टी मेयर का नया कार्यालय बनाया गया। मेयर कार्यालय को नए सिरे से तैयार करने के लिए नया टेंडर लगाया गया था। पहले टेंडर लगाने में कई दिन बीते थे।

टेंडर होने के बाद भी कार्य लेट शुरू हुआ था। अब यह कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

कार्यालय में जो कार्य होना है, वह भी 11 जुलाई से पहले पूरा होने की संभावना है। दो महीने पहले मेयर शैलजा सचदेवा ने कहा था कि जहां तक ऑफिस का सवाल है तो ऑफिस हो या न हो उससे हमारे काम पर कोई फर्क नहीं आ रहा। उन्होंने अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑफिस तब ही शुरू होगा, जब यहां के अधिकारी उचित समझेंगे। उन्होंने इसको दलगत राजनीति भी कहा था। शैलजा सचदेवा भाजपा की पहली मेयर है। इससे पहले हरियाणा जनचेतना पार्टी की शक्ति रानी शर्मा यहां से मेयर थी।

अलॉटमेंट के बावजूद अगर फीस नहीं भरी तो सीट कर दी जाएगी रद्द

- कॉलेजों के साथ राजकीय आईटीआई में शुरू हो चुकी है काउंसलिंग, दस्तावेजों की भी चल रही है जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

जिले के कॉलेजों के साथ ही राजकीय आईटीआई में काउंसलिंग शुरू हो गई। पहली सूची कम अलॉटमेंट में आए आवेदकों के दस्तावेज की जांच की जा रही है। दस्तावेज की जांच के बाद सीट अलॉट होगी। इसके बाद आवेदक फीस भरकर दाखिला ले सकेगा।

यह प्रक्रिया 8 जुलाई तक चलेगी। संस्थान में 1188 सीट में से 619 सीट अलॉट हो चुकी हैं। फीस जमा करवाने पर ही आवेदक की सीट भरी मानी जाएगी। कॉलेजों में भी दूसरी सूची जारी हो चुकी है। कॉलेजों में दूसरी अंतिम सूची के बाद सीट खाली होने पर 9 जुलाई को व्यक्तिगत काउंसलिंग के तहत सीट को भरा जाएगा।

इसके बाद 10 जुलाई को आवेदन के लिए पोर्टल दोबारा खोला जाएगा। 11 जुलाई से 17 जुलाई तक 100 रुपये की लेट फीस के साथ मेरिट में आने वाले आवेदक दाखिला करवा सकेंगे। अगर सीट मिलने के बाद भी आवेदक फीस जमा नहीं करवाता तो उसकी सीट रद्द होगी। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान व कल्पना चावला राजकीय महिला बहुतकनीकी संस्थान में 3 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। इसके बाद 5 जुलाई तक फार्म को ऑनलाइन सत्यापित किए गए। आवेदक के ऑनलाइन दिए गए दस्तावेज को जांचा जा रहा है। इसके बाद 8 जुलाई को सूची यानि रैंक जारी होगा। 10 से 15 जुलाई तक पहली ऑनलाइन काउंसलिंग होगी। जिसमें आवेदक ऑनलाइन अपने कोर्स का विकल्प चुन सकेंगे। रैंक के आधार पर आवेदक को दाखिला दिया जाएगा। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान शहर में तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में 1010 आवेदन फार्म और डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल एंट्री में 203 आवेदन सत्यापित होंगे।

डीसी ने व्यवस्थाओं की विस्तार से ली जानकारी

उपमंडल कार्यालय का डीसी ने किया निरीक्षण

- कहा बरसाती सीजन में जलभराव होने पर समस्या का तुरंत होना चाहिए समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। एसडीएम ऑफिस का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त।

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने शनिवार को उपमंडल कार्यालय का निरीक्षण किया। इससे पहले उपायुक्त का यहां पहुंचने पर एसडीएम शाश्वत सांगवान व डीएसपी सुरेश कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने निरीक्षण के दौरान यहां की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने यहां पर लोगों के बैठने की व्यवस्था के साथ दूसरे पहलुओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने ग्राउंड फ्लोर कांफ्रेंस हाल, सब ट्रेजरी के साथ-साथ दूसरे कार्यालयों का भी मुआयना किया। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन में अधिकारी यह ध्यान रखें कि कहीं पर भी यदि जलभराव होता है तो उसकी सूचना तुंरत एसडीएम व जिला प्रशासन को दे। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी व्यक्ति यहां पर अपने कार्यों के लिए आता है प्राथमिकता एवं पारदर्शी तरीके से उसका काम किया जाए। उन्होंने उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों की भी जानकारी ली। उन्होंने डीएसपी सुरेश कुमार से भी कानून व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यह भी कहा कि मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां ठीक होनी चाहिए। यदि कहीं पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो तो संबंधित विभाग बेहतर समन्वय बनाते हुए कार्य करे ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो। इस मौके पर नायब तहसीलदार गीता राम समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही
शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी

जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता
एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

सही नहीं हर बात पर
साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है,

वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

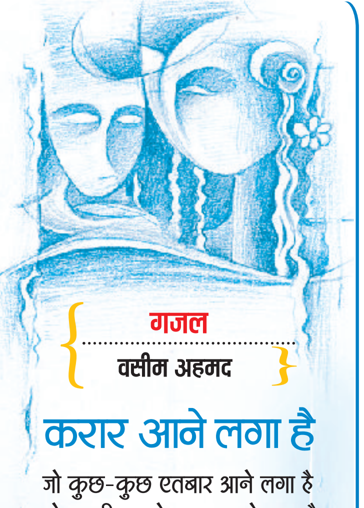

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

प्राचीन-अनूठी बादामी गुफाएं

कर्नाटक राज्य के उत्तरी भाग के बागलकोट जिले में ऐतिहासिक बादामी नगर में स्थित हैं बादामी गुफाएं और मंदिर। इन गुफाओं का न केवल पौराणिक बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी है। इन गुफाओं में मौजूद प्रतिमाएं चालुक्य वंश की शिल्पकला का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जो इतिहासप्रेमी पर्यटकों को मोहित कर लेती हैं।

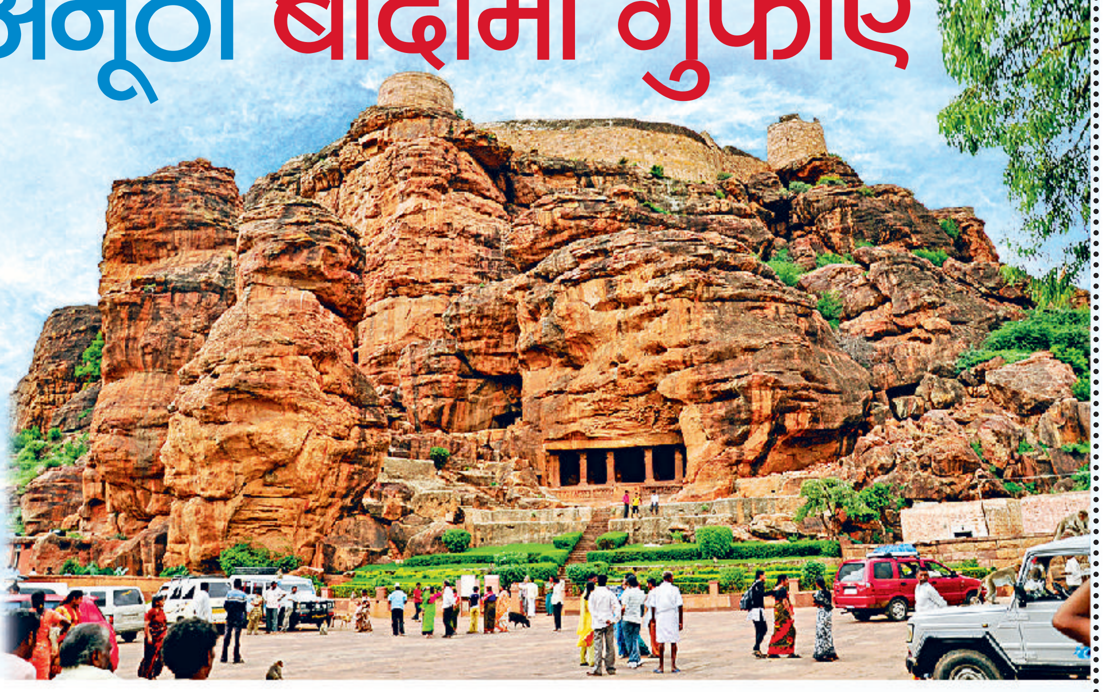

दर्शनीय स्थल / जगत नारायण भारद्वाज

अगर आप इतिहासप्रेमी पर्यटक हैं तो आपको एक बार कर्नाटक के बादामी नगर में स्थित प्राचीन गुफाओं और मंदिरों को जरूर देखना चाहिए। इन गुफा-मंदिरों में मौजूद प्रतिमाएं, छठी-सातवीं सदी में यहां शासन करने वाले चालुक्य शासकों के दौर की उत्कृष्ट शिल्प कला का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं।

पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार कर्नाटक का बादामी नगर, महाभारतकालीन असुर राजा वातापी की राजधानी हुआ करती थी। पौराणिक काल के विंध्याचल पर्वत के दक्षिण में स्थित इस दंडकवन में अगस्त्य ऋषि और लोपामुद्रा वास किया करते थे। यहीं पर वातापी और इलविल दो भाई अपनी संजीवनी विद्या का दुरुपयोग करके ऋषि-मुनियों को तंग करते और कई बार उन्हें मार भी देते थे। एक बार अंजाने में इन दोनों भाइयों ने अगस्त्य ऋषि पर भी आघात करना चाहा। इस पर अगस्त्य ऋषि ने अपने तपोबल से वातापी को उदरस्थ कर नष्ट कर दिया और दंडक वन को उनके अत्याचारों से मुक्त कर दिया। तभी से इसे अगस्त्य तीर्थ भी कहा जाने लगा।

ऐतिहासिक महत्ता: सन 547-757 तक बादामी नगर, चालुक्यवंशी राजाओं की राजधानी रही है। यहां के पराक्रमी सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने ही उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन को पराजित किया था। इसी सम्राट पुलकेशिन के पुत्रों मंगलेश और कीर्तिवर्मन ने यहां के पर्वतों को काटकर गुफा और मंदिरों का निर्माण कराया था। वही प्राचीन गुफाएं और मंदिर, बादामी गुफाओं के नाम से प्रसिद्ध हैं।

मौजूद हैं प्राचीन प्रतिमाएं: यहां प्रमुख रूप से चार गुफाएं हैं। इन 4 गुफाओं में पहली गुफा हिंदू देवी-देवताओं को समर्पित है, जिसे नटराज गुफा कहा जाता है। इसमें अर्धनारीश्वर, हरिहर रूप और 18 भुजाओं वाली नटराज की प्रतिमा है, जो देश में अन्यत्र नहीं है। नटराज की मूल प्रतिमा, जो तमिलनाडु के चिदंबरम में है, में भी 16 हाथ हैं। इस गुफा में एक मूर्ति ऐसी भी है, जिसे एक ओर से ढंकने पर हाथी और एक ओर से ढंकने पर नंदी की प्रतिमा दिखाई देती है। इन गुफाओं की एक विशेषता यह भी है कि यहां पर प्रतिमाओं के साथ ही शिल्पकारों के नामों को भी उकेरकर उन्हें अमर कर दिया गया है।

एक अन्य गुफा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस गुफा में भूदेवी के साथ वराह और वामन अवतार की विशाल प्रतिमाएं बनी हैं। समुद्रमंथन, कृष्णलीला और अन्य पौराणिक आख्यानों के दृश्य भी बहुत सुंदरता से इस गुफा में उकेरे गए हैं। गुफाओं के विशाल स्तंभों पर सुंदर और महीन कलात्मक कारीगरी की गई है। ये कलाकारी इतनी मोहक है कि जिन्हें स्थानीय साड़ियों के निर्माता भी ऐसी डिजाइन की साड़ियां बनवाते हैं। गुफा की ऊपरी छत पर ऐसे स्वास्तिक बने हैं, जिनका प्रारंभ और अंत का भी आभास नहीं होता है। आपने शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की प्रतिमा तो देखी होगी लेकिन शेषनाग पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा आप यहीं पर देख पाएंगे। यहां 578 ईसवी में निर्मित कन्नड़ लिपि में लिखा गया एक शिलालेख भी है। इसमें मंगलेश द्वारा एक गांव को दान में दिए जाने का उल्लेख है। तीसरी गुफा भी भगवान शिव को समर्पित की गई है। जबकि चौथी गुफा में जैन तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियां बनी हैं। इसमें भगवान वर्धमान, महावीर, पार्श्वनाथ तथा बाहुबली की सुंदर प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

कुछ ऐसे प्रमाण भी मिलते हैं कि चालुक्य वंश के शासकों ने पहले शैव, वैष्णव और फिर जैन पंथ को अपनाया। इसीलिए इन गुफाओं में इनकी प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। यह प्राचीन काल में धार्मिक समन्वय का सशक्त उदाहरण है। शाम के समय में इन गुफाओं की शोभा देखते ही बनती है। इन गुफाओं के कारण ही बादामी नगर विश्व में प्रसिद्ध हुई है। यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है।

अन्य दर्शनीय स्थल: इन बादामी गुफाओं के नीचे अगस्त्य तालाब के दाहिनी ओर आगे चलने पर खंडहरों के प्रतीक आज भी मिलते हैं। यहां पर अनेक चलचित्रों का फिल्मांकन भी हुआ है। गुफाओं के नीचे आने पर अगस्त्य तालाब के किनारे प्राचीन सूर्य मंदिर है। तालाब के एक कोने पर भगवान शिव को समर्पित द्रविड़ शैली में बना भूतनाथ मंदिर समूह है, जिसे 7वीं सदी में बादामी चालुक्यों द्वारा बनवाया गया था। यहां 12वीं सदी में कल्याणी चालुक्यों द्वारा मल्लिकार्जुन मंदिर समूह का निर्माण कराया गया था। भगवान विष्णु और शिव को समर्पित यह मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। इनके निर्माण की शिल्पकला में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। पास में ही एक भैरव मंदिर है, जिसकी चट्टान पर कई पौराणिक चित्र उकेरे गए हैं। यहीं से चार किमी की दूरी पर बादामी चालुक्यों की कुलदेवी बनशंकरी देवी का मंदिर है, जिसे मां पार्वती का अवतार माना जाता है। इसकी स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। मंदिर के पास में ही दर्शनार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां गर्मी के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष में कभी भी जाया जा सकता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अतुल मलिकराम

फील्ड कोई भी हो, बतौर टीम लीडर काम करने की ख्वाहिश प्राय: सभी को होती है। लेकिन टीम लीडर के रूप में सक्सेसफुल होने के लिए अपने काम में एक्सपर्ट होने के साथ ही आपके अंदर कुछ लीडरशिप क्वालिटीज का होना भी जरूरी है। क्या हैं वो क्वालिटीज, जानिए।

ये क्वालिटीज बनाएंगी सक्सेसफुल टीम लीडर

महात्मा गांधी की इस उक्ति 'आप खुद के भीतर वह बदलाव लाएं, जो आप लोगों में देखना चाहते हैं।' को अच्छे लीडरशिप के सबसे महत्वपूर्ण गुणों में से एक के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। एक अच्छे लीडर में कुछ मूलभूत गुणों का होना आवश्यक है। आत्मविश्वास, संचार कौशल, दूरदर्शिता, निर्णय क्षमता, ईमानदारी आदि गुणों की अपेक्षा एक टीम लीडर से की जाती है। एक अच्छा लीडर ऐसे निर्णय लेता है, जो उसकी टीम या संगठन के हित में हो।

पॉजिटिव एटिट्यूड: एक टीम लीडर के रूप में जरूरी है कि आप अपना एटिट्यूड हमेशा पॉजिटिव रखें। आप अपने टीम मेंबर्स को आगे बढ़ने में हमेशा मदद करें। आपके डिसिजंस ऐसे होने चाहिए, जिसे आपकी टीम बेझिझक स्वीकार करती हो। एक अच्छे टीम लीडर के रूप में आपको अपनी टीम की हर जरूरत की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही टीम मेंबर्स के हार्ड वर्क और अचीवमेंट्स के लिए उन्हें रिवॉर्ड भी जरूर देना चाहिए। एक टीम लीडर के रूप में विश्वास रखें कि आपकी टीम मजबूत है, यहां हर कोई अपनी भूमिका अच्छे से निभाना जानता है और अपना टार्गेट अचीव करने की क्षमता रखता है।

बढ़ाएं टीम मेंबर्स का हौसला: एक अच्छे टीम लीडर को चाहिए कि वह अपने टीम मेंबर्स को, अपने कुलीग्स को हमेशा मोटिवेट करता रहे। आगे बढ़कर नेतृत्व करने का गुण या सार्थक नेतृत्व हमेशा ही लीडर की परछाई के समान साथ-साथ चलता है। एक लीडर के रूप में आपका पॉजिटिव बिहेवियर और लीडरशिप टीम मेंबर्स को अधिक गहराई से और पूरी तरह से बदलने की ताकत रखता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी टीम अधिक सकारात्मक हो, तो सबसे पहले आपको सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। यदि आप चाहते हैं कि टीम मेंबर्स अपने काम को बिना किसी गलती के बेहतरी से पूरा करें, तो आपको उनके ऊपर विश्वास रखना होगा और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाना होगा। उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स और अपीयरेंस आदि पर विशेष तौर पर ध्यान दें और बेझिझक उन्हें सही सलाह देते रहें। साथ ही आपको चाहिए कि आप उनकी मदद करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें।

स्वयं बनें उदाहरण: अगर आप चाहते हैं कि आपके टीम मेंबर्स समय से कार्यस्थल पर आएं और अपना हर काम समय पर पूरा करें, तो पहले आपको स्वयं समय से पहले या समय से वर्कप्लेस पर आने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें वक्त की पाबंदी के फायदे बताएं। अपना और अपनी सफलता का उदाहरण देकर उन्हें समझाएं। याद रखिए, सफल नेतृत्व के तीन सबसे कारगर सिद्धांत हैं- उदाहरण, उदाहरण और उदाहरण। आप अपनी टीम के लिए कितना बड़ा और प्रभावी उदाहरण बन सकते हैं या पेश कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन यकीन मानिए, आपके ऐसा करने का आपकी टीम पर बहुत पॉजिटिव इफेक्ट पड़ेगा। *

चिंता / के.पी. सिंह

विलुप्ति की कगार पर सोन चिरैया

सोन चिरैया यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, भारत के समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा रही है। यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। कभी बहुतायत में पाई जाने वाली सोन चिरैया धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है।

अनोखी शारीरिक संरचना: सोन चिरैया का वैज्ञानिक नाम 'अर्देवोटिस निग्रिसेप्स' है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी नुमा संरचना होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है। यह मानसून के दौरान प्रजनन करती है। नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच जैसी संरचना उभर आती है। नर, मादा को बुलाने के लिए अपने पाउच से एक विशेष किस्म की आवाज निकालता है। सोन चिरैया सुबह और शाम के समय सक्रिय रहती है। दिन के समय यह प्रायः निष्क्रिय रहती है।

अत्यंत संकटग्रस्त: चिंताजनक बात यह है कि गीतों, कविताओं और लोककथाओं की शान रही भारत की यह खास चिड़िया लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। आईयूसीएन की रेड डाटा लिस्ट में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में रखा गया है।

लुप्त होने के कारण: सोन चिरैया के लुप्त होने के अनेक कारण हैं। पहले इसका आवास घास के मैदानों और खेतों के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान और खेत कम होने से इसके आवास की समस्या पैदा हो गई है। एक कारण यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों, लोमड़ियों या अन्य पशुओं द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। अपनी कमजोर दृष्टि के कारण ये कांटों, बिजली के तारों आदि में फंसकर मरे जाते हैं।

संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास: सोन चिरैया के संरक्षण के लिए आईयूसीएन, केंद्र एवं राज्यों द्वारा विभिन्न स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। मसलन, इसके शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें सुरक्षित आवासों में रखकर प्रजनन करवाया जाता है। इन सबके अलावा एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय के लोग भी सोन चिरैया के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। *

लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन

बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। इसीलिए दुनिया भर में लोग अच्छी नींद के लिए तरह-तरह की तरकीबें अपनाते हैं।

अच्छी नींद के लिए अजब-गजब उपाय

कई शोध ऐसे हो चुके हैं, जिनमें अच्छी नींद को मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया गया है। अच्छी नींद के लिए चिकित्साविज्ञानी तरह-तरह के उपाय भी बताते रहे हैं, जैसे अंधेरे कमरे में सोना, ठंडे बेडरूम में सोना, बेड टाइम पर स्क्रीन से दूर रहना, रेग्युलर एक्सरसाइज करना आदि। लेकिन इन सब से हटकर दुनिया के विभिन्न देशों में लोग अच्छी नींद के लिए कुछ अलग तरह के उपायों को भी अपनाते हैं।

सोने से पहले पैर धोना: चीन में अच्छी, लंबी और गहरी नींद के लिए लोग गर्म पानी में पैर डुबोते हैं और एक्सफोलिएशन भी करते हैं। इससे हाइजीन के साथ-साथ ब्लड सर्कुलेशन भी दुरुस्त होता है और ब्लड वेसल्स भी ब्लॉक नहीं होती हैं। पैर गर्म रहने और बॉडी टेंपरेचर कम होने से नींद जल्दी आती है। यहां कुछ लोग फुट मसाज और स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। अरोमाथेरेपी लेते हैं और पैरों में गरम तौलिया भी लपेटते हैं। इससे उनकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और सुकून की नींद आती है।

कपल्स लेते हैं स्लीप डाइवोर्स: अमेरिका में अच्छी नींद के लिए कपल्स स्लीप डाइवोर्स का आइडिया अपनाते हैं। इसके तहत पार्टनर अलग-अलग बेड पर सोते हैं। कई कपल तो अलग-अलग रूम में भी सोते हैं ताकि नींद में खलल न पड़े।

पेट्स के साथ सोना: एक सर्वे के मुताबिक कनाडा के डॉग ऑनर्स में से कम से कम 75 फीसदी लोग अपने कुत्ते के साथ बेडरूम में सोना पसंद करते हैं, जबकि बिल्ली पालने वालों में से कम से कम 50 फीसदी लोग बिल्लियों को साथ लेकर सोते हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके में कम से कम 65 फीसदी लोग अपने पालतू के साथ सोते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि अपने पालतू पशुओं के साथ सोने से अच्छी और बेफिक्र नींद आती है। यूनिवर्सिटी आफ टोरंटो में इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड सैमसंग कहते हैं कि डॉग का साथ इंसान को सुरक्षा का एहसास देता है। यही वजह है कि अपने पेट डॉग के साथ लोग निश्चिंत और बेफिक्र होकर सोते हैं।

तकिए के नीचे डॉल रखकर सोना: ग्वाटेमाला में पुरानी परंपरा है कि लोग अपने तकिए के नीचे एक छोटी-सी डॉल रखकर सोते हैं, जिसका नाम है- वरी डॉल। मान्यता है कि वरी डॉल लोगों की चिंता या डर को दूर करती है। इससे उन्हें काफी कंफर्ट महसूस होता है। कई मनोवैज्ञानिकों और स्लीप एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला है कि इन वरी डॉल्स की उपस्थिति से लोगों का एंजायटी लेवल काफी कम हो जाता है, जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है। *

हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मैडी के नाम से पॉपुलर एक्टर आर. माधवन की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस अलग-सी रोमांटिक फिल्म को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इसके लिए उन्हें कैसी तैयारियां करनी पड़ीं? इस फिल्म, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें आर. माधवन से।

मनोरंजन का कामयाब जरिया बन गया है ओटीटी: आर. माधवन

मुलाकात / पूजा सामंत

आर. माधवन हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में समान रूप से एक्टिव हैं। वे एक अच्छे एक्टर होने के साथ-साथ सहज, मिलनसार और डाउन टु अर्थ इंसान भी हैं। वर्ष 2001 में रिलीज 'रहना है तेरे दिल में' बतौर लीड एक्टर माधवन की पहली हिंदी फिल्म थी। हमेशा चुनिंदा फिल्मों में नजर आने वाले माधवन, नेटफ्लिक्स की रोमांटिक फिल्म 'आप जैसा कोई' में फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को निर्देशित किया है विवेक सोनी ने। पेश है आर. माधवन से इस फिल्म और करियर पर हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी फिल्म 'आप जैसा कोई' रिलीज हो रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताइए। इस रोमांटिक फिल्म को करने के पीछे क्या वजह रही?

लेखक-निर्देशक विवेक सोनी ने जब मुझे फिल्म की कहानी सुनाई तो मुझे इस प्रेम कहानी का अनोखापन बहुत पसंद आया। प्रेम के रिश्ते में लड़का-लड़की दोनों एक ही लेवल पर होते हैं। न लड़का खुद को ग्रेट समझे, न लड़की। यह इक्कीसवीं सदी की प्रेम कहानी है। बिल्कुल इस दौर की कहानी। प्रेम के रिश्ते में लड़की अगर प्यार की पहल करे तो क्या बुराई है? फिल्म का हीरो यानी मैं संस्कृत सिखाने वाला प्रोफेसर हूं। मेरी शादी 40 की उम्र तक नहीं होती है। मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर मेरी मुलाकात एक युवती (फातिमा सना शेख) से होती है, जो काफी मॉडर्न खयालात की है। उसे मेरे घर के लोग मना कर देते हैं। फिर क्या होता है? क्या हमारा रिश्ता आगे बढ़ता है? इसके इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी घूमती है। मुझे यह प्लॉट, मेरा किरदार (श्रीरेणु) सब बहुत पसंद आया।

'आप जैसा कोई' के एक दृश्य में आर. माधवन और फातिमा सना शेख

श्रीरेणु का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारियां करनी पड़ीं?

मेरी रियल एज 55 साल है। लेकिन फिल्म में मेरा किरदार श्रीरेणु 40 के आस-पास का है। मुझे अपनी उम्र से 15 वर्ष कम का दिखना था। इसके लिए मैंने जिम जाकर काफी वर्कआउट किया। स्क्रीन पर उम्र कम दिखे इसलिए मुझे अपनी दाढ़ी हटानी पड़ी, क्लीन शेव रखनी पड़ी। हालांकि मैं अपना दाढ़ी वाला लुक बदलना नहीं चाहता था। मेरे लिए यह बड़ा बदलाव था। फिल्म में मेरे कैरेक्टर की साइकोलॉजी को समझना था। कुल मिलाकर मुझे इस कैरेक्टर के लिए खुद को तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ी।

इस फिल्म में अधेड़ उम्र के पुरुष का प्यार दिखाया गया है। आपकी नजर में क्या समाज ऐसे प्यार को स्वीकार करता है?

समाज का क्या है, वो तो हर कंडीशन में कुछ न कुछ कहता ही रहता है। दंपति में उम्र का फासला ज्यादा हो तो दिक्कत, उम्र एक सी हो दोनों की तो भी कहने वाले कहते रहेंगे, पति-पत्नी की हाइट में बहुत फर्क हो तो भी कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। लेकिन मेरा मानना है कि अब सामाजिक परिवर्तन हो रहा है, स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सुना है, 'आप जैसा कोई' फिल्म की शूटिंग के दौरान आप जमशेदपुर स्थित अपने पुश्तैनी घर भी गए थे, कैसा रहा वहां जाने का अनुभव?

जमशेदपुर में मेरा जन्म हुआ था। कई वर्षों तक मेरा वहां जाना नहीं हुआ। जब इस फिल्म की शूटिंग उस इलाके (हुगली) में हो रही थी तो मैं टाइम निकालकर अपने पुश्तैनी घर जमशेदपुर गया। बचपन में जो घर मुझे बहुत बड़ा लगता था, इस बार छोटा नजर आया। जो लोग मेरे पड़ोस में थे, अब उनमें से शायद ही कोई वहां था। मैंने वहां आइसक्रीम, स्वीट्स को एंज्वॉय किया। अपने पुराने घर की ढेर सारी यादों को साथ लेकर मैं वापस आया।

आपने टीवी से डेब्यू किया था। फिर आपने साउथ, हिंदी, अंग्रेजी फिल्मों में काम किया। और अब 'आप जैसा कोई' फिल्म से आप ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री कर रहे हैं। इस बारे में क्या कहना चाहेंगे आप?

सभी जानते हैं, ओटीटी आज के दौर में मनोरंजन का बेहद कामयाब जरिया है। यहां फिल्में भी आती हैं, डॉक्यूमेंटरी सीरीज और वेब सीरीज भी। अब कलाकारों के लिए यह मायने नहीं रखता कि वे किस प्लेटफॉर्म के लिए काम करते हैं। अच्छे मौके आए तो बॉलीवुड क्या, हॉलीवुड क्या, ओटीटी क्या और टीवी क्या? किस माध्यम के लिए मैं कंटेंट बना रहा हूं यह मेकर को अहसास हो, तो वो उस माध्यम का लाभ उठाकर उम्दा कंटेंट दे सकता है। बहरहाल, मैं इस वर्ष बड़े परदे यानी सिनेमा के लिए भी काम कर रहा हूं। 'दे दे प्यार दे 2' और 'धुरंधर' मेरी दो फिल्में इसी वर्ष रिलीज होंगी। *

मैं ये सब नहीं कर सकता

आर. माधवन इतनी अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं लेकिन क्या कुछ ऐसे काम भी हैं, जो वह नहीं कर सकते? पूछने पर वह बताते हैं, 'मैं फूडी हूं इसलिए डाइटिंग नहीं कर सकता। मुझे आंकड़ों से नफरत है। मैं अपने फाइनेंसियल मैटर्स को मैनेज नहीं कर सकता, मेरी पत्नी सरिता यह काम संभालती हैं। सरिता ने मुझे क्रेडिट कार्ड दे रखा है। मैं अपने जरूरी खर्चे क्रेडिट कार्ड से चला लेता हूं। कैश खोने का डर रहता है। मेरे जितने भी बैंक अकाउंट्स हैं, वो सरिता के नाम पर हैं। मेरी हमसफर के अलावा वो मेरी कैशियर, बैंक मैनेजर भी है।'